द सीक्रेट सेवन एडवेंचर

गाइड ब्लाइटन

द सीक्रेट सेवन एड
गाइड ब्लाइटन

सीक्रेट सेवन #02 - सीक्रेट सेवन एडवेंचर

एनिड ब्लिटन

अध्याय एक।

सीक्रेट सेवन की एक बैठक।

सीक्रेट सेवन सोसाइटी की नियमित साप्ताहिक बैठक हो रही थी। बैठक स्थल पीटर और जेनेट के बगीचे के निचले हिस्से में स्थित पुराने शेड में था। दरवाजे पर हरे रंग से S.S. लिखा हुआ था। पीटर और जेनेट शेड में इंतज़ार कर रहे थे। जेनेट एक बड़े जग में नींबू निचोड़ रही थी, मीटिंग के लिए नींबू पानी बना रही थी। एक प्लेट में सात अदरक के बिस्कुट और एक बड़ा डॉग बिस्कुट रखा था।

यह उनके सुनहरे स्पैनियल कुत्ते स्कैम्पर के लिए था। वह प्लेट पर नज़र गड़ाए बैठा था, मानो उसे डर हो कि कहीं उसका बिस्किट उछलकर गायब न हो जाए!

“देखो, बाकी लोग आ रहे हैं,” पीटर ने खिड़की से बाहर देखते हुए कहा। “हाँ—कोलिन—जॉर्ज—बारबरा—पाम और जैक। और तुम और मैं मिलकर सातों हो जाते हैं।”

"वूफ़," स्कैम्पर ने कहा, खुद को उपेक्षित महसूस करते हुए।

“माफ़ करना, स्कैम्पर,” पीटर ने कहा। “लेकिन तुम सदस्य नहीं हो—सिर्फ़ एक आश्रित हो—पर बहुत अच्छे आश्रित हो!”

धमाका! किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी।

"पासवर्ड दीजिए," पीटर ने पुकारा। लेकिन जब तक बाहर खड़े व्यक्ति ने पासवर्ड नहीं बताया, उसने दरवाजा नहीं खोला।

“रैबिट्स!” कॉलिन ने कहा और पीटर ने दरवाज़ा खोल दिया। “रैबिट्स!” जैक ने कहा और फिर बाकी सबने भी बारी-बारी से “रैबिट्स” कहा। यही उनका सबसे नया पासवर्ड था। सीक्रेट सेवन हर हफ्ते इस शब्द को बदल देते थे, ताकि किसी को भी इसके बारे में पता न चल जाए।

जैसे ही सब अंदर आए और बैठ गए, पीटर ने सबकी ओर ध्यान से देखा। "जैक, तुम्हारा बैज कहाँ है?" उसने पूछा।

जैक असहज लग रहा था। उसने कहा, "मुझे बहुत खेद है, लेकिन मुझे लगता है कि सूज़ी ने इसे ले लिया है। मैंने इसे अपनी दराज में छिपाया था, और जब मैंने आज सुबह इसे ढूंढा तो यह गायब था। सूज़ी जब चाहे तब बहुत परेशान करती है।"

सूज़ी जैक की बहन थी। वह सोसाइटी का हिस्सा बनना चाहती थी, लेकिन जैसा कि जैक धैर्यपूर्वक समझाता रहता था, जब तक सीक्रेट सेवन में सात सदस्य हैं, तब तक और कोई सदस्य नहीं हो सकता।

“सुज़ी को थप्पड़ चाहिए,” पीटर ने कहा। “जैक, तुम्हें किसी भी तरह बैज वापस लाना होगा, और फिर अगली बार इसे किसी दराज या कहीं और मत छिपाना, बल्कि रात को सोते समय इसे अपने पायजामे पर पिन से लगा लेना और पहन लेना। फिर सुज़ी इसे नहीं पा सकेगी।”

“ठीक है,” जैक ने कहा। उसने चारों ओर देखा कि क्या सभी ने बैज पहना हुआ है। हाँ—हर सदस्य के पास एक छोटा गोल बटन था जिस पर साफ-सुथरे अक्षरों में S.S. लिखा हुआ था।

उसे सूज़ी पर बहुत गुस्सा आया।
“क्या किसी के पास बताने के लिए कोई रोमांचक खबर है?” पीटर ने सात अदरक बिस्कुट बाँटते हुए पूछा। उसने स्कैम्पर को बड़ा बिस्कुट उछाला, और स्पैनियल ने उसे फुर्ती से अपने मुँह में पकड़ लिया। जल्द ही सभी बिस्कुट चबाने और खाने में मग्न हो गए।
किसी के पास बताने के लिए कुछ भी नहीं था। बारबरा ने पीटर की ओर देखा।
उन्होंने कहा, “यह चौथा सप्ताह है जब हमारे पास बताने के लिए कुछ नहीं है, और कुछ भी नहीं हुआ है। यह बहुत नीरस है। मुझे इसमें कोई खास मतलब नहीं दिखता।”
अगर कोई गुप्त संस्था कुछ नहीं करती—जैसे कोई रहस्य सुलझाना या कोई रोमांचक यात्रा करना—तो उसका कोई मतलब नहीं।
“तो फिर एक कहानी सोच लो,” पीटर ने तुरंत कहा। “बारबरा, तुम्हें तो लगता है कि रहस्य और रोमांच पेड़ों पर उगते हैं।”
जेनेट ने नींबू पानी उड़ेल दिया। उसने कहा, "काश कुछ रोमांचक घटित होता। क्या हम कोई काल्पनिक साहसिक कहानी नहीं बना सकते, बस यूं ही आगे बढ़ने के लिए?"
“किस तरह का?” कॉलिन ने पूछा। “ओह, यह नींबू पानी तो खट्टा है!”
“मैं इसमें थोड़ा और शहद डाल देती हूँ,” जेनेट ने कहा। “अच्छा, मेरा मतलब है, क्या हम रेड इंडियन वगैरह बनकर कहीं जाकर लोगों का पीछा नहीं कर सकते, वो भी बिना उन्हें पता चले? पीटर और मेरे पास कुछ बहुत ही प्यारे रेड इंडियन कपड़े हैं।”
उन्होंने कुछ देर इस बारे में बात की। उन्हें पता चला कि उनके पास कुल मिलाकर रेड इंडियन कपड़ों के छह सेट थे।
“ठीक है, तो मुझे पता है हम क्या करेंगे,” जॉर्ज ने कहा। “हम सज-धज कर लिटिल थिकेट की ओर चलेंगे। हम दो समूहों में बँट जाएँगे, एक समूह थिकेट के एक छोर पर और दूसरा छोर पर—और देखेंगे कि कौन सा समूह किस तरफ जाता है।”
पार्टी कॉलिन का पीछा करके उसे पकड़ सकती है—वह अकेला ऐसा व्यक्ति है जिसने रेड इंडियन पोशाक नहीं पहनी है। यह मजेदार होगा।
"मैं नहीं चाहता कि तुम छहों मेरा पीछा करो," कॉलिन ने कहा। "मुझे एक साथ सबका हमला होना बिल्कुल पसंद नहीं है।"
“ये तो बस एक खेल है!” जेनेट ने कहा। “मूर्खता मत करो।”
“सुनो—कोई आ रहा है!” पीटर ने कहा। कदमों की आहट सीधे शेड की ओर जाने वाले रास्ते पर सुनाई दी। दरवाजे पर ज़ोरदार धमाका हुआ, जिससे सब चौंक गए।
"पासवर्ड!" पीटर ने कहा, यह भूलकर कि सीक्रेट सेवन के सभी सदस्य वहाँ मौजूद थे।
जवाब था, "खरगोश!"
“ये तो सूज़ी है!” जैक गुस्से से बोला। उसने दरवाजा खोला और देखा कि उसकी शरारती बहन वहीं खड़ी थी, उसने भी एसएस बटन पहना हुआ था!
“मैं सदस्य हूँ!” वह चिल्लाई। “मुझे पासवर्ड पता है और मेरे पास बैज भी है!”
सभी लोग गुस्से से उठ खड़े हुए, और सूज़ी हंसते हुए भाग गई। जैक गुस्से से लाल हो गया था।

“मैं उसके पीछे जा रहा हूँ,” उसने कहा। “और अब हमें एक नया पासवर्ड भी सोचना पड़ेगा!”
“पासवर्ड 'इंडियंस' हो सकता है!” पीटर ने उसके पीछे से आवाज़ लगाई। “ढाई बजे यहीं मिलें!”
अध्याय दो।
एक रेड इंडियन दोपहर।
ढाई बजे सेवन सोसाइटी के सदस्य एक-एक करके पहुंचे। जैक सबसे पहले पहुंचा, उसने फिर से अपना बैज पहन रखा था। उसने सूज़ी का पीछा करके उसे पकड़ लिया था और उससे बैज छीन लिया था।
"मैं फिर से आकर दरवाजे पर जोर से दस्तक दूंगी और पासवर्ड चिल्लाऊंगी," सूसी ने धमकी दी।
“ये ठीक नहीं रहेगा,” जैक ने कहा। “हमारे पास एक नया है!”
सभी ने नए पासवर्ड को सावधानीपूर्वक बोला, कहीं ऐसा न हो कि वह थकाऊ सूज़ी कहीं आसपास ही हो।
“भारतीय!”
“भारतीय!” यह पासवर्ड बार-बार फुसफुसाया गया जब तक कि सातों एक साथ इकट्ठा नहीं हो गए। सभी लोग रेड इंडियन सूट और हेडड्रेस लाए थे। जल्द ही वे सभी
कोलिन को छोड़कर, जिसके पास पहनने के लिए कुछ नहीं था, बाकी सभी के पास कपड़े थे।
“अब हम लिटिल थिकेट चलते हैं,” पीटर ने एक बेहद डरावनी दिखने वाली कुल्हाड़ी लहराते हुए कहा। सौभाग्य से, वह सिर्फ लकड़ी की बनी थी। “मैं जेनेट और जैक को अपने दो आदमियों के रूप में ले जाऊंगा, और जॉर्ज बारबरा और पाम को संभाल सकता है। कॉलिन वह है जिसे हम दोनों मिलकर पकड़ने की कोशिश करेंगे।”
“मुझे पेड़ों से बांधकर मुझ पर तीर मत चलाओ,” कॉलिन ने दृढ़ता से कहा। “यह तुम्हारे लिए मज़ेदार हो सकता है, लेकिन मेरे लिए नहीं। समझे?”
कॉलिन को छोड़कर बाकी सभी ने अपने चेहरों पर अजीबोगरीब डिज़ाइन बना रखे थे। जैक के पास एक रबर का चाकू था जिसे वह बार-बार स्कैम्पर पर वार करने का नाटक कर रहा था। वे सचमुच में बहुत ही खूंखार भारतीय लग रहे थे।
वे खेतों के पार लगभग आधा मील दूर स्थित लिटिल थिकेट के लिए रवाना हुए। यह मिल्टन मैनर नामक एक विशाल हवेली के बगल में स्थित था, जिसके चारों ओर ऊंची दीवारें थीं।
“अब हम लिटिल थिकेट के विपरीत छोरों से शुरू करेंगे,” पीटर ने कहा। “मेरे तीनों इस छोर पर खड़े हो सकते हैं, और तुम्हारे तीनों दूसरे छोर पर, जॉर्ज। कॉलिन बीच में जा सकता है। हम सब अपनी आँखें बंद कर लेंगे और...”
सौ तक गिनती करो—और फिर हम कॉलिन की तलाश शुरू करेंगे और उसका पीछा करेंगे।"
“और अगर मैंने तुममें से किसी को भी देख लिया और तुम्हारा नाम पुकारा, तो तुम्हें उठकर खुद को दिखाना होगा,” कॉलिन ने कहा। “तब तुम खेल से बाहर हो जाओगे।”
“और अगर हममें से कोई भी तुम्हारे पास पहुँचकर तुम पर झपट पड़ा, तो तुम उसके कैदी बन जाओगे,” पीटर ने कहा। “लिटिल थिकेट इसके लिए बिल्कुल सही जगह है!”
यह सचमुच ऐसा ही था। यह झाड़ियों, घनी वनस्पतियों और पेड़ों का मिश्रण था। वहाँ झाड़ियों के

बड़े-बड़े गुच्छे उगते थे, और पतली घास के पैच, छोटी झाड़ियाँ और बड़े-छोटे पेड़ थे। छिपने के लिए बहुत सारी जगहें थीं, और अगर कोई पेट के बल सावधानी से रेंगता हुआ जाए, तो वह बिना देखे किसी का पीछा करते हुए झाड़ी के एक छोर से दूसरे छोर तक जा सकता था।

दोनों पक्ष अलग हो गए और लिटिल थिकेट के दोनों छोरों पर चले गए। एक तरफ बाड़ थी और दूसरी तरफ मिल्टन मनोर की ऊंची और मजबूत दीवारें थीं। अगर कॉलिन लिटिल थिकेट के किसी भी छोर से बिना पकड़े निकल जाता, तो वह वाकई होशियार होता!

वह बीच में जाकर खड़ा हो गया और बाकी लोगों के आँखें बंद करके सौ गिनने का इंतज़ार करने लगा। जैसे ही पीटर ने रुमाल हिलाकर गिनती शुरू होने का संकेत दिया, कॉलिन दौड़कर एक पेड़ के पास गया। वह तेज़ी से पेड़ की घनी शाखाओं पर चढ़ गया और एक चौड़ी डाल पर बैठ गया। वह मुस्कुराया।

“वे चाहे जितना भी मेरा पीछा करें, झाड़ियों के एक छोर से दूसरे छोर तक, लेकिन मुझे नहीं ढूंढ पाएंगे!” उसने सोचा। “और जब वे सब ढूंढते-ढूंढते थक जाएंगे और हार मान लेंगे, तो मैं घुटनों के बल नीचे उतरकर उनके पास पहुंच जाऊंगा!”

गिनती पूरी हो गई थी। छह रेड इंडियन धीरे-धीरे फैलने लगे और झाड़ियों, घनी झाड़ियों और लंबी घास के बीच से चुपचाप अपना रास्ता बनाने लगे।

कॉलिन झाड़ियों की हलचल से उनमें से कुछ का पता लगा सकता था। वह अपने पेड़ की शाखाओं के बीच से झाँकता रहा और मन ही मन हँसता रहा। यह तो बहुत मज़ेदार था!

और तभी उसकी नज़र एक बेहद चौंकाने वाली चीज़ पर पड़ी। उसने मिल्टन मनोर के मैदान को घेरने वाली ऊंची दीवार की ओर देखा और पाया कि कोई उसके शिखर पर बैठा है! उसके देखते ही देखते वह आदमी नीचे कूद गया।

और वह नज़रों से ओझल हो गया, और कॉलिन को झाड़ियों के सरसराने की आवाज़ सुनाई दी। फिर सब कुछ शांत हो गया। कॉलिन उसे बिल्कुल भी नहीं देख पा रहा था। वह बेहद हैरान था। वह आदमी दीवार फांदकर क्या कर रहा था?

कॉलिन को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करना सबसे अच्छा रहेगा। वह पेड़ से चिल्लाकर दूसरों को भी नहीं बुला सकता था। तभी अचानक उसने देखा कि पीटर, या उनमें से कोई एक, उस जगह के बहुत करीब था जहाँ वह आदमी छुप गया था!

यह पीटर था। उसे लगा था कि उसने अपने पास ही किसी की आहट सुनी है, और उसे पूरा यकीन था कि वह कॉलिन ही था, जो रेंगता हुआ आगे बढ़ रहा था। इसलिए वह भी उसी दिशा में रेंगने लगा।

आह! उसे पूरा यकीन था कि उस झाड़ी के बीच में कोई छिपा हुआ है! वह एक विशाल कंटीली झाड़ी थी, पूरी तरह खिली हुई। ज़रूर कॉलिन ही वहाँ छिपा होगा।

पीटर बड़ी सावधानी से पेट के बल रेंगते हुए झाड़ी तक पहुँचा। उसने भूरे तनों को हटाया और वहाँ खड़े आदमी को देखकर अचंभित रह गया। आख़िरकार, यह कॉलिन तो नहीं था!

वह आदमी तो दहशत में आ गया। अचानक उसने झाड़ियों के बीच से एक भयानक, रंगा हुआ चेहरा अपनी ओर घूरता हुआ देखा, और उसे लगा जैसे कोई कुल्हाड़ी उसकी ओर तनी हुई है।

उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह तो सिर्फ लकड़ी की बनी थी!
वह तुरंत उठा और भाग गया—और एक पल के लिए पीटर इतना हैरान रह गया कि वह उसके पीछे गया ही नहीं!
अध्याय तीन।
कॉलिन के लिए यह एक बड़ा झटका था।
जब तक पीटर यह देखने के लिए उठा कि वह भयभीत व्यक्ति कहाँ गया है, तब तक वह पूरी तरह गायब हो चुका था। उसका कहीं कोई निशान नहीं था।
“धत् तेरे की!” पीटर ने चिढ़कर कहा। “रेड इंडियन बनकर मैं किस काम का? अपनी नाक के नीचे खड़े किसी का पीछा भी नहीं कर सकता। आखिर वो आदमी कहाँ चला गया?”
वह इधर-उधर शिकार करने लगा, और जल्द ही उसे खड़ा देखकर बाकी लोग समझ गए कि कुछ हुआ है। उन्होंने उसे पुकारा।
“पीटर—क्या बात है? तुम खुद को क्यों दिखा रहे हो?”
पीटर ने कहा, “एक आदमी झाड़ियों के नीचे छिपा हुआ था। मुझे बस हैरानी हो रही थी कि क्यों। लेकिन वह उठा और गोली चलाकर भाग गया। क्या किसी ने देखा कि वह कहाँ गया?”
उसे किसी ने नहीं देखा था। सब पीटर के चारों ओर जमा हो गए, हैरान थे। "अरे वाह—हम सात लोग इस खेत में छिपकर रेंग रहे थे—और किसी ने भी उस आदमी को भागते हुए नहीं देखा," पाम ने कहा। "हमने कॉलिन को भी नहीं देखा!"
“आज दोपहर का खेल यहीं समाप्त होता है,” पीटर ने कहा। वह नहीं चाहता था कि लड़कियाँ अचानक छिपे हुए आदमी के सामने आ जाएँ—इससे वे बहुत डर जाएँगी। “हम कॉलिन को बुलाएँगे।”
तो उन्होंने उसे पुकारा। “कोलिन! बाहर आओ, तुम जहाँ भी हो! खेल खत्म हो गया है।”
वे उसके अचानक उठ खड़े होने और प्रकट होने का इंतज़ार कर रहे थे। लेकिन वह नहीं उठा। उनकी पुकार का कोई जवाब नहीं आया, और न ही अचानक कॉलिन प्रकट हुआ।
“कोलिन!” सबने चिल्लाकर कहा। “बाहर आ जाओ।”
फिर भी वह नहीं आया। उसने पलटकर जवाब तक नहीं दिया। यह अजीब था।
“मज़ाक मत करो!” जॉर्ज चिल्लाया। “खेल खत्म हो गया है! तुम कहाँ हो?”
कॉलिन वहीं था जहाँ वह हमेशा से था—अपने पेड़ पर छिपा हुआ। उसने वापस आवाज़ क्यों नहीं लगाई? वह पेड़ से नीचे क्यों नहीं उतरा और दूसरों के पास दौड़कर क्यों नहीं गया, इस बात से खुश होकर कि वह पकड़ा नहीं गया?
उसने खुद को बहुत अच्छे तरीके से प्रदर्शित नहीं किया।
कारण। वह इतना डरा हुआ था कि कुछ कर ही नहीं पाया!
जब उसने उस आदमी को दीवार से नीचे कूदते और झाड़ियों की ओर भागकर छिपते देखा तो उसे गहरा सदमा लगा था, और जब उसने उसे अचानक पास की एक झाड़ी से निकलते और उस पेड़ की तलहटी की ओर भागते देखा, जिसमें वह खुद छिपा हुआ था, तो उसे और भी बड़ा सदमा लगा था।

फिर उसने किसी के बहुत तेज़ी से ऊपर चढ़ने की आवाज़ सुनी—हे भगवान, वह आदमी उसी पेड़ पर चढ़ रहा था जिसे खुद कॉलिन ने छिपने की जगह के रूप में चुना था!

कॉलिन का दिल तेजी से धड़कने लगा। उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं था। अगर वह आदमी अचानक उसके ऊपर चढ़ जाए तो क्या कहेगा? वह निश्चित रूप से बहुत नाराज़ होगा।

वह आदमी धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। लेकिन जब वह उस डाल के पास पहुँचने ही वाला था जिस पर कॉलिन बैठा था, तो वह रुक गया। वह डाल एक आदमी का भार सहने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं थी, हालांकि एक लड़के के लिए काफी मजबूत थी।

वह आदमी कॉलिन के ठीक नीचे पेड़ की एक शाखा में सिमटकर बैठ गया। वह ज़ोर-ज़ोर से हांफ रहा था, लेकिन अपनी सांसों को यथासंभव शांत रखने की कोशिश कर रहा था। पीटर ज़्यादा दूर नहीं था और शायद उसकी आवाज़ सुन लेता।

कॉलिन पत्थर की तरह जम कर बैठ गया। ये आदमी कौन था? ये दीवार फांदकर क्यों आया था? ये लिटिल थिकेट में क्यों छिपा था? अगर उसे पता होता कि यहाँ सीक्रेट सेवन के लोग रेड इंडियंस का खेल खेल रहे हैं, तो वो कभी ऐसा नहीं करता!

और अब वह कॉलिन के पेड़ पर छिपा हुआ था—और किसी भी क्षण वह ऊपर देख सकता था और कॉलिन को देख सकता था। यह वाकई बहुत अप्रिय था।

तभी कॉलिन ने दूसरों को उसे पुकारते हुए सुना। “कॉलिन! बाहर आ जाओ, तुम जहाँ भी हो—खेल खत्म हो गया है!”

लेकिन बेचारा कॉलिन बाहर आने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था, और पलटकर जवाब देने की तो बिलकुल भी नहीं। वह मुश्किल से सांस ले पा रहा था, और बेसब्री से यही उम्मीद कर रहा था कि उसे छींक या खांसी न आए। वह चूहे की तरह एकदम शांत बैठा रहा, यह देखने के लिए कि आगे क्या होता है।

वह आदमी भी चूहे की तरह एकदम शांत बैठा रहा, नीचे छह बच्चों को देखता रहा, पेड़ की पत्तियों के बीच से उन्हें झाँकता रहा। कॉलिन चाहता था कि वे अपने साथ बूढ़े स्कैम्पर को ले आते। वह उस आदमी के पदचिह्नों को सूंघकर पेड़ के नीचे तक पहुँच जाता!

लेकिन स्कैम्पर पीछे छूट गया था। रेड इंडियंस का खेल खेलते समय वह हमेशा बहुत ज्यादा उत्साहित हो जाता था, और अपने भौंकने से ही सबको बता देता था कि वे कहाँ छिपे हैं!

बाकी लोगों ने कॉलिन को ढूंढने और उसे पुकारने के बाद, वे जाने लगे। पीटर ने कहा, "वह हमसे बचकर घर चला गया होगा। खैर, हम भी चलते हैं। हम उस आदमी को ढूंढ नहीं पा रहे हैं, और मुझे नहीं पता कि मैं उसे ढूंढना चाहता भी हूँ या नहीं। वह मुझे बहुत ही खतरनाक आदमी लगा।"

हताशा में, कॉलिन उन्हें लिटिल थिकेट से निकलते और खेत के रास्ते पर गायब होते हुए देखता रहा। उस आदमी ने भी उन्हें जाते देखा। उसने एक संकेत दिया।

हल्की सी गुर्राहट हुई और वह पेड़ से नीचे फिसल गया।

कॉलिन को उसका सिर और कान छोड़कर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। जब वह आदमी सावधानी से झाड़ियों से बाहर निकला, तब भी कॉलिन को उसका कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। वह सीक्रेट सेवन के किसी भी सदस्य से कहीं बेहतर रेड इंडियन था, यह तो निश्चित था!

और अब—क्या कॉलिन के लिए नीचे उतरना सुरक्षित था? वह निश्चित रूप से पूरी रात पेड़ पर नहीं रह सकता था।

चौथा अध्याय।

क्या यह एक रोमांच है?

कॉलिन पेड़ से नीचे उतर आया। वह पेड़ के नीचे खड़ा होकर चारों ओर सतर्कता से देखने लगा। कोई भी नज़र नहीं आ रहा था। वह आदमी पूरी तरह गायब हो गया था।

“मैं पूरी रफ्तार से दौड़ूंगा और उम्मीद करूंगा कि सब ठीक हो,” कॉलिन ने सोचा और चल पड़ा। किसी ने उसे नहीं रोका! किसी ने उस पर चिल्लाया नहीं। जब वह खेत के रास्ते पर पहुंचा और गायों को हैरानी से अपनी ओर घूरते देखा तो उसे खुद पर शर्मिंदगी महसूस हुई।

वह उस फार्महाउस में वापस चला गया जहाँ पीटर और जेनेट रहते थे। शायद सीक्रेट सेवन अभी भी शेड में छिपे हुए थे, कपड़े उतारे हुए।

उनके रेड इंडियन सामान को हटाना और उनके चेहरों से रंग पोंछना।

वह दौड़कर शेड की ओर गया। दरवाजा हमेशा की तरह बंद था। एस.एस. के दो अक्षर बड़े-बड़े अक्षरों में साफ दिखाई दे रहे थे। शेड के अंदर से कुछ आवाजें आ रही थीं।

कॉलिन ने दरवाजा खटखटाया। "मुझे अंदर आने दो!" वह चिल्लाया। "मैं भी वापस आ गया हूँ।"

सन्नाटा छा गया। दरवाजा नहीं खुला। कॉलिन ने फिर अधीर होकर दरवाजा पटका। "तुम्हें पता है कि मैं ही हूँ। दरवाजा खोलो!"

फिर भी दरवाजा नहीं खुला। तभी कॉलिन को याद आया। उसे पासवर्ड देना ही होगा! आखिर वो क्या था? शुक्र है कि उसे पासवर्ड याद आ गया, क्योंकि शेड की खिड़की से उसे चमकीले लाल भारतीय पंखों की एक झलक दिखाई दी।

“भारतीय!” उसने चिल्लाकर कहा।

दरवाजा खुला। पीटर की आवाज़ में झुंझलाहट थी, “अब तो पूरे ज़िले को हमारा नया पासवर्ड पता चल गया है। हमें कोई दूसरा पासवर्ड चुनना पड़ेगा। अंदर आओ। कहाँ थे तुम? हमने लिटिल थिकेट में तुम्हें बहुत पुकारा था।”

“मुझे पता है। मैंने सुना,” कॉलिन अंदर आते हुए बोला। “माफ़ करना, मैंने पासवर्ड इस तरह ज़ोर से बोल दिया। मैं सोच नहीं रहा था। लेकिन मेरे पास एक खबर है—बहुत ही अजीब खबर!”

“क्या?” सबने पूछा और अपने चेहरों से रंग मलना बंद कर दिया।

“आपको पता है जब पीटर खड़ा हुआ और

“उसने चिल्लाकर कहा कि उसे एक छिपा हुआ आदमी मिल गया है, है ना?” कॉलिन ने कहा। “खैर, मैं तो काफी पास ही था—असल में, मैं एक पेड़ पर चढ़ा हुआ था!”

“धोखाधड़ी!” जॉर्ज ने कहा। “यह रेड इंडियंस के साथ खेलने का तरीका नहीं है!”

“किसने कहा कि ऐसा नहीं था?” कॉलिन ने पूछा। “मुझे यकीन है कि रेड इंडियन लोग पेड़ों पर चढ़ते भी थे और पेट के बल रेंगते भी थे। खैर, मैं उस पेड़ पर था—और यकीन मानिए, पीटर को जो आदमी मिला, वह दौड़ता हुआ मेरे पेड़ के पास आया और उस पर चढ़ गया!”

“अरे बाप रे!” जॉर्ज ने कहा। “तुमने क्या किया?”

“कुछ नहीं,” कॉलिन ने कहा। “वह मेरे जितना ऊपर तक नहीं आया था—इसलिए मैं चुपचाप बैठा रहा और कोई आवाज़ नहीं की। दरअसल, मैंने उसे पीटर से पहले देखा था। मैंने उसे मिल्टन मनोर के चारों ओर बनी दीवार के ऊपर देखा—फिर वह नीचे कूदा, झाड़ियों की ओर भागा और गायब हो गया।”

"आखिर में क्या हुआ?" जेनेट ने उत्साहित होकर पूछा।

“तुम सबके चले जाने के बाद, वह पेड़ से नीचे फिसल गया और चला गया,” कॉलिन ने कहा। “मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा। मैं भी नीचे फिसल गया और घर की ओर भागा। सच कहूँ तो मुझे थोड़ा डर लग रहा था।”

“वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा था?” जैक ने सोचा। “वह कैसा इंसान था?”

“मैंने तो बस उसके सिर का ऊपरी हिस्सा और कान ही देखे,” कॉलिन ने कहा। “क्या तुमने उसे करीब से देखा था, पीटर?”

“हाँ, काफी हद तक,” पीटर ने कहा। “लेकिन वह वास्तव में कोई असाधारण व्यक्ति नहीं था—साफ दाढ़ी वाला, काले बालों वाला—उसके बारे में याद रखने लायक कुछ खास नहीं था।”

“खैर, मुझे लगता है कि अब हम उसके बारे में आखिरी बार ही सुनेंगे,” बारबरा ने कहा। “वह रोमांच हमसे छूट गया! हम कभी नहीं जान पाएंगे कि वह वास्तव में क्या कर रहा था और क्यों।”

“उसने हमारी दोपहर खराब कर दी,” पाम ने कहा। “वैसे भी, हम कॉलिन को पकड़ नहीं पाते—वह इस तरह पेड़ पर छिपा हुआ था। हमें यह नियम बनाना होगा कि जब हम शिकार का खेल खेल रहे हों तो पेड़ों पर नहीं चढ़ना है।”

"हमारी अगली बैठक कब है—और क्या हम नया पासवर्ड रखने वाले हैं?" जेनेट ने पूछा।

“हम बुधवार शाम को मिलेंगे,” पीटर ने कहा। “हमेशा की तरह, किसी भी रोमांचक, रहस्यमय या साहसिक घटना पर नज़र और कान खुले रखना। यह अफ़सोस की बात है कि हम उस आदमी को पकड़ नहीं पाए—या उसके बारे में और अधिक जानकारी हासिल नहीं कर पाए।

उसे। मुझे यकीन है कि वह कुछ गलत करने की फिराक में था।

“पासवर्ड के बारे में क्या?” जेनेट ने फिर पूछा।

“ठीक है—मुझे लगता है हम “एडवेंचर” देखेंगे,” पीटर ने कहा। “क्योंकि हमने अभी-अभी एक मौका गंवाया है!”

वे सभी अपने-अपने घर चले गए—और कॉलिन को छोड़कर, लिटिल थिकेट में रहने वाले उस अजीब आदमी के बारे में किसी ने ज़्यादा नहीं सोचा। लेकिन उस शाम अचानक रेडियो की आवाज़ ने सीक्रेट सेवन के सभी सदस्यों को उसके बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया!

“आज दोपहर मिल्टन मैनर स्थित लेडी लूसी थॉमस के शयनकक्ष से उनका शानदार और अनोखा मोतियों का हार चोरी हो गया,” उद्घोषक ने कहा। “किसी ने चोर को न देखा, न उसकी आवाज़ सुनी, और वह सुरक्षित बच निकला,” पीटर और जेनेट तुरंत उछल पड़े। “यही वह आदमी है जिसे हमने देखा था!” पीटर चिल्लाया। “विश्वास करो! जेनेट, कल सीक्रेट सेवन की बैठक बुलाओ—यह फिर से एक रोमांचक घटना है!”

अध्याय पाँच।

एक महत्वपूर्ण बैठक।

उस रात सीक्रेट सेवन बहुत उत्साहित थे। जेनेट और पीटर ने सबके लेटरबॉक्स में नोट्स डाल दिए थे। “सुबह साढ़े नौ बजे मीटिंग। ज़रूरी! गुप्त सूचना।”

कॉलिन और जॉर्ज को बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि क्या हो रहा है, क्योंकि उन्होंने रेडियो नहीं सुना था। लेकिन बाकी सभी ने लेडी लूसी थॉमस के हार की चोरी के बारे में सुना था, और यह जानते हुए कि वह लिटिल थिकेट के पास रहती थी, उन्होंने अनुमान लगाया कि बैठक चोर को ढूंढने के बारे में ही होगी!

साढ़े नौ बजे सोसाइटी की बैठक हुई। जेनेट और पीटर शेड में उनका इंतज़ार कर रहे थे। दरवाजे पर लगातार दस्तक आ रही थी। पीटर हर बार सख्ती से कहता, "पासवर्ड!"

“साहसिक कार्य!” सबने धीमी आवाज़ में कहा। “साहसिक कार्य!” “साहसिक कार्य!” एक के बाद एक।

सदस्यों को शेड में प्रवेश दिया गया।

“तुम्हारी वो बुरी बहन सूज़ी कहाँ है?” पीटर ने जैक से पूछा। “उम्मीद है वो कहीं आस-पास नहीं होगी। आज की मीटिंग बहुत ज़रूरी है। क्या तुम्हारे पास बैज है?”

“हां,” जैक ने कहा। “सुज़ी आज के लिए बाहर गई है। वैसे भी, उसे हमारा नया पासवर्ड नहीं पता।”

“मीटिंग किस बारे में है?” कॉलिन ने पूछा। “जेनेट के चेहरे के हाव-भाव देखकर मुझे समझ आ रहा है कि कुछ गड़बड़ है। ऐसा लग रहा है जैसे वो फटने वाली है!”

"जब तुम्हें पता चलेगा तो तुम खुशी से फूले नहीं समाओगे," जेनेट ने कहा। "क्योंकि तुम काफी महत्वपूर्ण होने वाले हो, क्योंकि तुम और पीटर ही ऐसे लोग हो जिन्होंने उस चोर को देखा है जिसका हम पीछा कर रहे हैं।"

कॉलिन और जॉर्ज का चेहरा खाली हो गया। ज़ाहिर है, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि जेनेट किस बारे में बात कर रही है। पीटर ने जल्द ही उन्हें समझाया।

“तुम्हें पता है कल कॉलिन ने जिस आदमी को देखा था, वो मिल्टन मनोर के चारों ओर बनी दीवार पर चढ़ रहा था?” पीटर ने कहा। “वो जिसे मैंने झाड़ी में छिपा हुआ देखा था—और फिर वो उसी पेड़ पर चढ़ गया जिस पर कॉलिन छिपा हुआ था? खैर, कल रेडियो पर यही खबर आई थी।”

उस रात एक चोर लेडी लूसी थॉमस के बेडरूम में घुस गया और उनका कीमती मोतियों का हार चुरा ले गया।

“अरे वाह!” पाम ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा। “और यही वो आदमी था जिसे तुमने और कॉलिन ने देखा था!”

“हाँ,” पीटर ने कहा। “ज़रूर हुआ होगा। और अब सवाल यह है कि हम इसके बारे में क्या करें? यह एक साहसिक कार्य है—अगर हमें पता चल जाए कि आगे क्या करना है—अगर हम उस आदमी को ढूंढ सकें—और अगर हमें वह हार भी मिल जाए—तो यह सीक्रेट सेवन के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।”

कुछ देर सन्नाटा छा गया। सब लोग सोच में पड़ गए। "लेकिन हम उसे कैसे ढूंढेंगे?" अंत में बारबरा ने पूछा। "मेरा मतलब है—पीटर, उसे सिर्फ तुमने और कॉलिन ने देखा था—और वो भी बस एक पल के लिए।"

“और यह मत भूलो कि मैंने तो सिर्फ उसके सिर का ऊपरी हिस्सा और कानों के सिरे ही देखे थे,” कॉलिन ने कहा। “मैं जानना चाहता हूँ कि मैं इन चीज़ों से किसी को कैसे पहचान सकता हूँ। खैर, मैं लोगों के सिर के ऊपरी हिस्से को तो देख नहीं सकता!”

जेनेट हंस पड़ी। उसने कहा, "आपको अपने साथ एक सीढ़ी लेकर चलना पड़ेगा!" और यह सुनकर बाकी सब भी हंस पड़े।

“क्या हमें पुलिस को नहीं बताना चाहिए?” जॉर्ज ने पूछा।

“मुझे लगता है हमें ऐसा करना चाहिए,” पीटर ने मामले पर ध्यानपूर्वक विचार करते हुए कहा। “वैसे तो हम उनकी कोई मदद नहीं कर सकते। फिर भी—यही पहला काम है जो हमें करना चाहिए। उसके बाद शायद हम पुलिस की मदद कर सकें, और वैसे भी, हम छानबीन करके खुद भी कुछ पता लगाने की कोशिश कर सकते हैं।”

“चलो अब पुलिस स्टेशन चलते हैं,” जॉर्ज ने कहा। “यह तो बहुत रोमांचक होगा! जब हम सातों एक साथ अंदर जाएंगे तो इंस्पेक्टर कितना हैरान होगा!”

वे शेड से निकले और कस्बे की ओर चल दिए। वे पुलिस स्टेशन की सीढ़ियों पर चढ़ गए, जिससे अंदर मौजूद युवा पुलिसकर्मी बेहद आश्चर्यचकित रह गया।

“क्या हम इंस्पेक्टर से मिल सकते हैं?” पीटर ने पूछा। “हमारे पास उनके लिए कुछ खबर है—उस चोर के बारे में जिसने लेडी लूसी का हार चुराया था।”

निरीक्षक ने कई कदमों की आहट सुनी और अपने कमरे से बाहर देखा। "हैलो, हैलो!" उसने प्रसन्न होकर कहा। "फिर से सीक्रेट सेवन! और इस बार पासवर्ड क्या है?"

ज़ाहिर है, किसी ने उसे बताया नहीं था। पीटर मुस्कुराया।

उन्होंने कहा, “हम बस यह बताने आए हैं कि हमने कल चोर को मिल्टन मनोर की दीवार फांदते हुए देखा। वह पहले एक झाड़ी में छिपा और फिर उस पेड़ पर जहां कॉलिन छिपा हुआ था। बस इतना ही हमें पता है!”

इंस्पेक्टर ने जल्द ही सेवन से हर एक जानकारी हासिल कर ली और वह बहुत खुश नज़र आया। उसने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा कि चोर उस विशाल दीवार पर कैसे चढ़ा होगा! वह बिल्ली की तरह चढ़ता होगा। उसने सीढ़ी का इस्तेमाल नहीं किया होगा।"

खैर, सीक्रेट सेवन, मुझे डर है कि आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, सिवाय इसके कि अपनी आंखें खुली रखें, कहीं आप इस आदमी को फिर से न देख लें।

“बस बात ये है कि कॉलिन ने उसका सिर्फ़ सिर का ऊपरी हिस्सा देखा, और मैंने भी उसे बस एक झलक देखा, और वो बहुत ही साधारण दिख रहा था,” पीटर ने कहा। “फिर भी आप यकीन मानिए, हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे!”

वे सब फिर सीढ़ियों से उतरकर सड़क पर चले गए। पीटर ने कहा, "अब हम उस जगह चलेंगे जहाँ कॉलिन ने उस आदमी को दीवार फांदते देखा था। शायद हमें वहाँ कुछ मिल जाए—क्या

पता!"

अध्याय छह।

कुछ विचित्र खोजें।

वे सातों लोग लिटिल थिकेट की ओर चल पड़े, जहाँ उन्होंने एक दिन पहले रेड इंडियंस का खेल खेला था।

“तो, तुमने ठीक-ठीक कहाँ कहा था कि वह आदमी ऊपर से चढ़ा था?” पीटर ने कॉलिन से पूछा।

कॉलिन ने सोचा। फिर उसने एक होली के पेड़ की ओर इशारा किया।

“वह होली का पेड़ देखा? वह उस पेड़ और छोटे ओक के पेड़ के बीच की दीवार फांदकर आया था। मुझे पूरा यकीन है कि वह ठीक वही जगह थी।”

“चलो फिर—चलकर देखते हैं,” पीटर ने कहा। खुद को बहुत महत्वपूर्ण समझते हुए, सातों लोग छोटे घने जंगल को पार करके होली के पेड़ और छोटे ओक के पेड़ के बीच पहुँचे। वे खड़े होकर दीवार की ओर देखने लगे।

यह कम से कम दस या ग्यारह फीट ऊंचा था। बिना सीढ़ी के भला कोई इतनी सीधी दीवार पर कैसे चढ़ सकता है?

“देखो—यहाँ से वह कूदा था,” पैम ने अचानक कहा और उसने होली के पेड़ के पास ज़मीन पर बने एक गहरे निशान की ओर इशारा किया। सबने देखा।

“हाँ—ज़रूर उसके पैर यहीं पड़े होंगे,” जॉर्ज ने कहा। “अफ़सोस की बात है कि हम इस निशान से कुछ भी पता नहीं लगा सकते—मतलब, अगर ये पैरों के निशान होते, तो बहुत मदद मिलती। लेकिन ये तो बस एक गहरा निशान है—शायद उसकी एड़ियों से बना होगा।”

पीटर ने अचानक कहा, “काश हम दीवार के दूसरी तरफ जा पाते। शायद हमें वहाँ एक-दो पदचिह्न मिल जाएँ। चलो माली से पूछते हैं कि क्या हम अंदर जा सकते हैं। वह हमारे गौशाला वाले का दोस्त है और मुझे जानता है।”

“अच्छा विचार है,” जॉर्ज ने कहा, और वे सब फिर से चल दिए। माली बड़े लोहे के फाटकों के पार, सामने वाले बगीचे में काम कर रहा था। बच्चों ने उसे आवाज़ दी, और उसने ऊपर देखा।

“जॉन!” पीटर चिल्लाया। “क्या हम अंदर आकर छानबीन कर सकते हैं? उस चोर के बारे में, तुम्हें पता है। हमने उसे दीवार फांदते देखा था, और पुलिस इंस्पेक्टर ने हमें सतर्क रहने को कहा है। इसलिए हम छानबीन कर रहे हैं।”

जॉन्स मुस्कुराया। उसने फाटक खोल दिए। “ठीक है, अगर मैं तुम्हारे साथ चलूँ, तो मुझे नहीं लगता कि तुम कुछ खास नुकसान कर पाओगे,” उसने कहा। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह चोर उन दीवारों पर कैसे चढ़ा। मैं कल दोपहर भर सामने वाले बगीचे में काम कर रहा था, और अगर वह फाटक से अंदर आया होता तो मैंने उसे देख लिया होता। लेकिन वह नहीं आया।”

सातों बच्चे जॉन्स के साथ दीवार के चारों ओर घूमे। कॉलिन ने होली के पेड़ की चोटी और पास के छोटे से ओक के पेड़ की चोटी को दीवार के ऊपर उभरा हुआ देखा। वह रुक गया।

“वह यहीं से ऊपर चढ़ा था,” उसने कहा। “अब चलो पैरों के निशान ढूंढते हैं।”

धरती पर निशान तो जरूर थे—लेकिन पैरों के निशान नहीं थे।

सातों ने निशानों पर झुककर प्रणाम किया।
“अजीब हैं ना?” पीटर ने हैरानी से कहा। “बिल्कुल गोल और एक जैसे—और लगभग तीन इंच चौड़े—जैसे किसी ने बड़े झाड़ू के डंडे से ज़मीन पर ठोका हो। जॉन्स, ये निशान किसने बनाए होंगे?”
“मुझे समझ नहीं आ रहा,” जॉन्स ने भी हैरानी जताते हुए कहा। “शायद पुलिस इन पर कुछ कार्रवाई करेगी।”
अब उन्हें पता चल गया है कि तुमने चोर को यहीं दीवार फांदते हुए देखा था।
सभी ने गोल, एक जैसे निशानों को फिर से गौर से देखा। उनका कोई तुक या तर्क समझ में नहीं आ रहा था। वे देखने में ऐसे लग रहे थे मानो किसी ने झाड़ू के डंडे से ज़मीन पर गोद दिया हो—और भला कोई ऐसा क्यों करेगा? और वैसे भी, अगर कोई ऐसा करता भी है, तो इससे उसे दीवार फांदने में क्या मदद मिलेगी?
“जहां तक मुझे पता है, सीढ़ी का इस्तेमाल नहीं हुआ है,” जॉन्स ने कहा। “मेरी सारी सीढ़ियाँ एक शेड में बंद हैं—और अभी भी वहीं हैं—और चाबी मेरी जेब में है। वह आदमी इतनी खड़ी दीवार पर कैसे चढ़ा, यह मेरी समझ से परे है।”
"वह ज़रूर कोई कलाबाज़ रहा होगा, बस इतना ही," जेनेट ने दीवार के ऊपरी हिस्से की ओर देखते हुए कहा। फिर उसकी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी और उसने उत्साह से उसकी ओर इशारा किया।
“देखो—ये क्या है—बीच में उस नुकीली ईंट पर अटक गया है?”
सब लोग घूरने लगे। अंत में पाम ने कहा, "यह ऊन का एक टुकड़ा जैसा लग रहा है। शायद, जब चोर ऊपर चढ़ा, तो उस नुकीले हिस्से ने उसके कपड़ों को जकड़ लिया और ऊन का एक टुकड़ा बाहर निकल गया।"
“जॉर्ज, मुझे उठने में मदद करो,” पीटर ने आदेश दिया। “मैं इसे ले आता हूँ। यह बहुत ही महत्वपूर्ण सुराग हो सकता है।”
जॉर्ज ने उसे ऊपर उठाया, और पीटर ने ऊन के टुकड़े को पकड़ने के लिए बेताब होकर झपट्टा मारा। उसने उसे पकड़ लिया, और जॉर्ज ने उसे वापस ज़मीन पर उतार दिया। सब लोग उसे देखने के लिए उसके चारों ओर जमा हो गए।
यह सचमुच बहुत साधारण था—बस नीले ऊन का एक छोटा सा धागा जिसमें एक नन्हा सा लाल धागा था। सभी लोग इसे ध्यान से देख रहे थे।
“अच्छा—हो सकता है इसे चोर की जर्सी से निकाला गया हो,” जेनेट ने आखिरकार कहा। “हम सब ऐसे किसी व्यक्ति पर नज़र रख सकते हैं जिसने नीले ऊनी पुलओवर में लाल रंग का एक छोटा सा धागा लगा हो!”
और फिर उन्हें कुछ और मिला—कुछ ऐसा जो कहीं ज्यादा रोमांचक था!
अध्याय सात।
स्कैम्पर को एक सुराग मिलता है।
सबसे बड़ा सुराग तो असल में स्कैम्पर नाम के स्पैनियल कुत्ते ने ही खोजा था। वह उनके साथ ही

था, उत्सुकता से चारों ओर सूंघ रहा था, उन अजीबोगरीब गोल निशानों में उसकी बहुत दिलचस्पी थी। फिर अचानक वह जोर-जोर से भौंकने लगा।

सबने उसकी तरफ देखा। पीटर ने कहा, "क्या हाल है, स्कैम्पर?"

स्कैम्पर लगातार भौंकता रहा। तीनों लड़कियाँ थोड़ी डर गईं और घबराकर इधर-उधर देखने लगीं, उन्हें आधा डर था कि कहीं झाड़ियों में कोई छिपा न हो!

स्कैम्पर ने अपना सिर ऊपर उठा रखा था और वह पागलों की तरह भौंक रहा था। पीटर ने चिढ़कर कहा, "बस करो! बताओ तुम किस पर भौंक रहे हो, स्कैम्पर! बस करो, मैं कहता हूँ।"

स्कैम्पर रुक गया। उसने पीटर को तिरस्कार भरी नज़र से देखा और फिर बच्चों के सिर के ऊपर देखने लगा। वह फिर से भौंकने लगा।

सभी ने ऊपर देखा, यह देखने के लिए कि क्या हो रहा है।

जिस दुनिया पर स्पैनियल भौंक रहा था। और वहाँ, पेड़ की एक टहनी पर बड़े करीने से एक टोपी रखी थी!

“देखो तो ज़रा!” पीटर ने हैरानी से कहा। “एक टोपी! क्या यह चोर की हो सकती है?”

“अच्छा, अगर ऐसा है, तो उसने अपनी टोपी ऊपर क्यों फेंकी?” जेनेट ने कहा। “चोर आमतौर पर ऐसा नहीं करते—अपनी टोपी पेड़ों पर फेंककर छोड़ देते हैं!”

टोपी इतनी ऊंची थी कि उस तक पहुंचना नामुमकिन था। वह लगभग दीवार की चोटी जितनी ऊंची थी! माली जॉन्स उसे गिराने के लिए एक छड़ी लेने गया।

“यह टोपी तो फेंके जाने पर ही वहाँ पहुँच सकती थी,” जॉर्ज ने कहा। “इसलिए ऐसा नहीं लगता कि यह चोर की हो सकती है। वह अपनी टोपी को इस तरह फेंककर इतना सटीक सुराग तो नहीं छोड़ेगा!”

“नहीं। मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं,” पीटर ने कहा। “यह उसकी टोपी नहीं हो सकती। यह ज़रूर किसी आवारा ने दीवार के ऊपर से फेंकी होगी।”

जॉन्स एक बांस की छड़ी लेकर वापस आया। उसने टहनी से ऊपरी हिस्सा झटके से हटाया और स्कैम्पर तुरंत उस पर झपट पड़ा।

“छोड़ दो, स्कैम्पर; छोड़ दो!” पीटर ने आदेश दिया, और स्कैम्पर ने उसे छोड़ दिया, मानो उसे चोट लगी हो। क्या उसने टोपी खुद नहीं देखी थी? तब कम से कम उसे उसे हवा में उछालकर पकड़ने की अनुमति तो मिल सकती थी!

सेवन ने उस गंदी पुरानी टोपी को देखा। वह ट्वीड की बनी थी और कभी उस पर एक आकर्षक चेक पैटर्न रहा होगा—लेकिन अब वह इतनी गंदी थी कि पैटर्न देखना भी मुश्किल था। जेनेट ने घृणा से उसे देखा।

उफ़! कितनी गंदी टोपी है! मुझे यकीन है कि किसी आवारा ने इसका इस्तेमाल करके इसे दीवार के ऊपर फेंक दिया होगा और यह वहीं अटकी रह गई होगी।

वह पेड़ की शाखा। मुझे यकीन है कि इससे कोई सुराग नहीं मिलता।

“मुझे लगता है तुम सही कह रहे हो,” कॉलिन ने टोपी को अपने हाथों में बार-बार घुमाते हुए कहा। “हम इसे लिटिल थिकेट में फेंक ही दें तो बेहतर होगा। यह हमारे किसी काम की नहीं है।

स्कैम्पर, तुम्हारी किस्मत खराब है—तुमने सोचा था कि तुम्हें कोई बहुत बड़ा सुराग मिल गया है!”
उसने टोपी को दीवार के ऊपर फेंकने का नाटक किया, लेकिन पीटर ने उसे रोक दिया। “नहीं, ऐसा मत करो! इसे संभाल कर रखना ही बेहतर है। क्या पता कब काम आ जाए। अगर हमने कोई सुराग देने वाली चीज़ फेंक दी, तो हमें बहुत पछतावा होगा—हालाँकि मैं तुमसे सहमत हूँ, शायद ऐसा न हो।”
“अच्छा, तो तुम इस बदबूदार चीज़ को ले जाओ,” कॉलिन ने पीटर को देते हुए कहा। “इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि किसी ने इसे फेंक दिया। इसमें से तो मेरी चीज़ जैसी बदबू आ रही है!”
पीटर ने उसे अपनी जेब में रख लिया। फिर उसने नीले ऊन के धागे का छोटा सा टुकड़ा लिया और उसे सावधानी से अपनी नोटबुक के पन्नों में रख दिया। उसने नीचे ज़मीन पर उन अजीब निशानों की ओर देखा। "मुझे लगता है कि हमें इसका नोट बना लेना चाहिए।"
“ये भी,” उसने कहा। “क्या तुम्हारे पास नाप है, जेनेट?”
ज़ाहिर है, उसने ऐसा नहीं किया था। लेकिन जॉर्ज के पास एक धागा था, और उसने गोल निशानों को ध्यान से नापकर धागे को सही लंबाई में काट लिया। "यही निशानों का आकार है," उसने कहा और धागे का अपना टुकड़ा पीटर को दे दिया। पीटर ने भी उसे सावधानी से अपनी नोटबुक में रख लिया।
“मुझे लगता है कि जगह-जगह बने वो अजीब निशान किसी तरह का सुराग हैं,” उसने अपनी नोटबुक एक तरफ रखते हुए कहा। “लेकिन क्या, यह मैं सोच भी नहीं सकता!”
उन्होंने जॉन्स को अलविदा कहा और खेतों से होते हुए अपने घर की ओर चल दिए। सुरागों से किसी को कोई खास मतलब समझ नहीं आया। पीटर को उम्मीद थी कि आखिरकार यह रोमांच यूं ही खत्म नहीं हो जाएगा!
जेनेट ने कहा, "मैं अब भी यही मानती हूँ कि उस ऊँची दीवार को केवल एक कलाबाज ही चढ़ सकता था। मुझे नहीं लगता कि कोई आम इंसान ऐसा कर सकता था!"
जैसे ही उसने यह कहा, वे गली में आ गए। पास ही की एक दीवार पर एक बड़ा पोस्टर लगा हुआ था। बच्चों ने यूं ही उस पर नज़र डाली। और तभी कॉलिन ने इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि वे सब चौंक गए!
“देखो तो ज़रा—ये तो सर्कस का विज्ञापन वाला पोस्टर है! और देखो इस पर क्या लिखा है—शेर को काबू करने वाले, साहसी घुड़सवार, करतब दिखाने वाले भालू—जोकर—और कलाबाज़! कलाबाज़! देखो ज़रा! मान लो—बस मान लो...”
वे सब उत्साह से एक-दूसरे को देखने लगे। जेनेट शायद सही कह रही हो। इस मामले की तुरंत जांच होनी चाहिए!
अध्याय आठ।
सर्कस की यात्रा।
पीटर ने अपनी घड़ी देखी। "अरे बाप रे!" उसने निराशा से कहा। "लगभग खाने का समय हो गया है। हम सबको जितनी जल्दी हो सके घर वापस जाना होगा। फिर ढाई बजे मिलते हैं, सीक्रेट

सेवन।"
“हम नहीं जा सकते!” पाम और बारबरा ने कहा। “हम पार्टी में जा रहे हैं।”
"हमारे बिना बैठक मत कीजिए," पाम ने विनती की।
“मैं भी नहीं आ सकता,” जॉर्ज ने कहा। “तो बेहतर होगा कि हम कल चलें। वैसे भी, अगर चोर सर्कस के कलाबाजों में से एक है, तो वह आज दोपहर को नहीं जाएगा! वह सर्कस खत्म होने तक वहीं रहेगा।”
“खैर—हो सकता है वो कोई कलाबाज हो,” जेनेट ने कहा। “मैंने तो बस इतना ही कहा था कि इतनी ऊंची दीवार पर चढ़ने वाला सिर्फ एक कलाबाज ही हो सकता है। मेरा मतलब सचमुच ऐसा नहीं था!”
“इसकी जांच करना तो बनता ही है,” उन्होंने कहा।
पीटर: “ठीक है—तो कल सुबह साढ़े नौ बजे मिलते हैं। और कृपया सब लोग अच्छे से सोच-विचार करके कोई योजना सुझाएँ? मुझे पूरा यकीन है कि हम कुछ अच्छा सोच लेंगे!”
उस दिन सबने खूब सोचा—यहाँ तक कि पाम और बारबरा भी अपनी पार्टी के बीच में फुसफुसा रही थीं! पाम ने फुसफुसाते हुए कहा, “मेरा सुझाव है कि हम सर्कस देखने चलें। क्या आपको नहीं लगता कि यह अच्छा विचार होगा? फिर हम देख सकते हैं कि क्या पीटर किसी कलाबाज को उस चोर के रूप में पहचान पाता है जिसे उसने उस झाड़ी के नीचे छिपा हुआ देखा था!”
अगले दिन जब सीक्रेट सेवन की बैठक हुई और वे शेड के दरवाजे से अंदर जाते हुए पासवर्ड बुदबुदा रहे थे, तो ऐसा लग रहा था कि उन सभी के मन में बिल्कुल एक ही विचार था!
“हमें सर्कस देखने जाना चाहिए,” जॉर्ज ने कहना शुरू किया।
“पाम और मैंने भी यही सोचा था!” बारबरा ने कहा।
“मैंने भी यही सोचा था,” कॉलिन ने कहा। “दरअसल, यही एकमात्र समझदारी भरा कदम है। क्या तुम ऐसा नहीं सोचते, पीटर?”
“हाँ। जेनेट और मैंने स्थानीय अखबार में देखा, और हमें पता चला कि सर्कस आज दोपहर को शुरू हो रहा है,” पीटर ने कहा। “क्या हम सब इसे देखने चलें? मुझे नहीं पता कि मैं जाऊँगा या नहीं।”
किसी भी कलाबाज को चोर के रूप में पहचानना मुश्किल है—मैंने तो उसे बस एक झलक ही देखी थी—लेकिन कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।
“तुमने कहा था कि वह सांवला और क्लीन शेव्ड था,” कॉलिन ने कहा। “और मैंने देखा कि उसके बाल काले थे। उसके सिर के ऊपर थोड़े से पतले बाल थे। लेकिन इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, है ना?”
“क्या किसी के पास पैसे हैं?” पाम ने पूछा। “सर्कस के टिकट खरीदने के लिए? मेरे पास तो बिल्कुल भी पैसे नहीं हैं, क्योंकि कल मुझे पार्टी में ले जाने के लिए जन्मदिन का तोहफा खरीदना पड़ा।”
सभी ने अपनी जेबें खाली कर दीं। पैसे बीच में एक ढेर में रखे गए और उनकी गिनती की गई।
“बच्चों के लिए टिकट एक शिलिंग का है,” पीटर ने कराहते हुए कहा। “एक शिलिंग! उन्हें लगता

होगा कि बच्चे पैसों के बने होते हैं। हमारे पास सिर्फ चार शिलिंग और पाँच पेंस हैं, बस। हम चार ही जा सकते हैं।"

"मेरे पास अपने बटुए में दो शिलिंग हैं," जेनेट ने कहा।

"मेरे पास घर पर छह पेंस हैं," कॉलिन ने कहा। "किसी के पास एक-आध पैसा है क्या?"

"ओह हाँ—मैं इसे सूज़ी से उधार ले लूंगा," जैक ने कहा।

"अच्छा, तो उस पैसे के बदले में उसे पासवर्ड मत बता देना!" कॉलिन ने कहा, और जैक ने उसे एक लात मारी और गुस्से में नाक सिकोड़ी।

"ठीक है। लगता है हम सब जा सकते हैं," पीटर ने प्रसन्न होकर कहा। "सर्कस शुरू होने से दस मिनट पहले सर्कस के मैदान में मिलना। कोई भी देर मत करना! और किसी ऐसे व्यक्ति पर नज़र रखना जिसने गहरे नीले रंग का पुलओवर पहना हो जिसमें लाल रंग का एक छोटा सा धागा हो—क्योंकि यह लगभग तय है कि चोर ने उसी ऊन से बनी जर्सी या पुलओवर पहनी होगी।"

सभी लोग समय के पाबंद थे। पैम को छोड़कर बाकी सबके पास पैसे थे, इसलिए पीटर ने उसे टिकट के लिए पर्याप्त पैसे दे दिए। वे टिकट काउंटर पर गए और सात टिकट खरीदे, वे बहुत उत्साहित थे। सर्कस हमेशा मजेदार होता है—लेकिन सर्कस में जाकर चोर पर नज़र रखना तो और भी रोमांचक था!

कुछ ही देर में वे सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए और तंबू के बीचोंबीच बने लकड़ी के बुरादे से भरे घेरे को ध्यान से देखने लगे। बैंड ने एक मधुर धुन बजानी शुरू की और ढोल की गड़गड़ाहट गूंज उठी। बच्चे रोमांचित होकर सीधे बैठ गए।

घोड़े शान से चलते हुए अंदर आए, उनके पंखनुमा कंघे लहरा रहे थे। अंदर आए...

जोकर कलाबाजियां करते और चिल्लाते हुए आए; भालू अंदर आए; सभी कलाकार एक के बाद एक अंदर आए और मुस्कुराते हुए दर्शकों का अभिवादन किया।

बच्चे कलाबाजों को देखने के लिए उत्सुक थे।

लेकिन वे सभी अन्य कलाकारों के साथ घुलमिल गए थे—पांच विदूषक और जादूगर, दो चतुर स्टिल्ट-वॉकर और पांच अजीबोगरीब साइकिल सवार। यह बताना असंभव था कि उनमें से कौन कलाबाज थे।

पीटर ने कहा, "वे कार्यक्रम में तीसरे नंबर पर हैं। पहले घोड़े आते हैं, फिर जोकर और उसके बाद कलाबाज।"

इसलिए वे इंतजार करते रहे, सुंदर नाचते घोड़ों के लिए ताली बजाते रहे और हास्यास्पद जोकरों पर तब तक हंसते रहे जब तक उनके पेट में दर्द नहीं होने लगा।

"अब बारी है कलाबाजों की!" पीटर ने उत्साह से कहा। "देखो, कॉलिन, देखो!"

अध्याय नौ।

एक अच्छा विचार था - और एक निराशा भी।

कलाबाज करतब दिखाते हुए और हवा में ऊंची-ऊंची छलांग लगाते हुए अंदर आए। उनमें से एक इस कदर पीछे की ओर झुका हुआ था कि उसने अपना सिर अपने पैरों के बीच रख लिया था। वह वाकई बहुत विचित्र दिख रहा था।

पीटर ने कॉलिन को कोहनी मारी। “कॉलिन! उस आदमी को देखो जिसने अपना सिर अपने पैरों के बीच दबा रखा है—उसकी दाढ़ी बिल्कुल वैसी ही है जैसी मैंने झाड़ी में छिपे उस आदमी की देखी थी—और उसके बाल काले हैं!”

कॉलिन ने सिर हिलाया। "हाँ—शायद वही हो! बाकी सब की मूंछें हैं। चलो उसे ध्यान से देखते हैं और पता लगाते हैं कि क्या वह वाकई एक ऊंची दीवार पर चढ़कर उसके ऊपर से छलांग लगा सकता है।"

सीक्रेट सेवन के सभी सदस्यों की निगाहें इस एक कलाबाज पर टिकी हुई थीं। उन्होंने देखा था कि बाकी सभी की मूंछें थीं, इसलिए उन्हें तो इस दौड़ से बाहर कर दिया गया था—लेकिन यह वाला बिल्कुल सही था—उसके बाल काले थे और उसकी मूंछें नहीं थीं!

क्या वह ऊंची छलांग लगा सकता था? क्या वह उन्हें दिखा पाएगा?

क्या वे जानते थे कि वह इतनी आसानी से एक खड़ी दीवार पर चढ़कर चोटी तक पहुँच सकता है? वे उत्सुकता से देख रहे थे। दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए वह कलाबाज उन सबमें सर्वश्रेष्ठ था। वह पंख की तरह हल्का था। जब वह रिंग के पार छलांग लगाता था, तो ऐसा लगता था मानो उसके पैर ज़मीन को छू ही नहीं रहे हों।

वह रस्सी पर करतब दिखाने में भी बहुत माहिर था। एक लंबी सीढ़ी लगाई गई और उसे तंबू की छत में काफी ऊपर एक तार से बांध दिया गया। बच्चे उस कलाबाज को हल्के-फुल्के अंदाज में सीढ़ी पर चढ़ते हुए देख रहे थे और एक-दूसरे की तरफ देखने लगे—हाँ—अगर वह इस तरह सीढ़ी पर चढ़ सकता है, बिना पैरों या हाथों से डंडों को छुए, तो वह यकीनन बारह फुट ऊंची दीवार पर भी चढ़ सकता है!

“मुझे पूरा यकीन है कि वही चोर है,” जेनेट ने पीटर के कान में फुसफुसाते हुए कहा। पीटर ने सिर हिलाया। उसे भी पूरा यकीन था। उसे इतना यकीन था कि अब जब उसने ठान लिया था कि यही चोर है, तो वह सर्कस का पूरा आनंद लेने के लिए आराम से बैठ गया और चोर की तलाश करने की ज़हमत ही नहीं उठाई।

यह एक बहुत अच्छा सर्कस था। करतब दिखाने वाले भालू मंच पर आए और सचमुच एक-दूसरे से और अपने प्रशिक्षक से मुक्केबाजी करते हुए खूब आनंद उठा रहे थे। एक छोटा भालू तो बहुत ही प्यारा था।

उसके प्रशिक्षक को पता चला कि वह उसके पैर से चिपका हुआ था और उसे जाने नहीं दे रहा था!

जेनेट चाहती थी कि उसके पास भी पालतू जानवर के रूप में ऐसा ही एक छोटा भालू हो। उसने पाम से कहा, "यह तो बिल्कुल एक बड़े टेडी बियर जैसा है," और पाम ने सिर हिलाकर सहमति जताई।

फिर से विदूषक अंदर आए—और फिर दो स्टिल्ट-वॉकर, उनके साथ तीन विदूषक भी आ गए। स्टिल्ट-वॉकर बहुत ही हास्यास्पद थे। उन्होंने अपने स्टिल्ट्स के ऊपर लंबी स्कर्ट पहन रखी थी, जिससे वे बेहद लंबे लोगों की तरह दिख रहे थे, और वे अकड़कर चल रहे थे जबकि छोटे विदूषक उन्हें चिढ़ा रहे थे और उनका मज़ाक उड़ा रहे थे।

फिर एक मजबूत पिंजरा लगाया गया और गुर्राते हुए शेरों को अंदर लाया गया। जेनेट पीछे हट गई। उसने कहा, "मुझे यह पसंद नहीं है। शेरों का ऐसा व्यवहार करना ठीक नहीं है। वे तो बस मूर्ख लगते हैं। अरे बाप रे—उस एक को देखो—वह अपनी कुर्सी पर खड़ा ही नहीं हो रहा। मुझे पता है कि वह अपने रखवाले पर झपट पड़ेगा।"

लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसे अपने प्रदर्शन का पूरा ज्ञान था और उसने दूसरों के साथ बड़े ही घमंड से उसे अंजाम दिया। बाद में वे सब गुस्से से बड़बड़ाते हुए वहाँ से चले गए।

फिर एक बड़ा हाथी आया और अपने प्रशिक्षक के साथ क्रिकेट खेलने लगा। उसे इसमें बहुत मज़ा आया, और जब उसने लगातार छह बार गेंद दर्शकों के बीच मारी, तो सब लोग ज़ोर-ज़ोर से तालियाँ बजाने लगे।

कुल मिलाकर, बच्चों ने खूब आनंद उठाया। जब उन्हें दोबारा बड़े मैदान में जाना पड़ा तो उन्हें दुख हुआ।

“अगर हम हर बार सर्कस में चोरों को पकड़ पाते, तो कितना मज़ा आता,” जेनेट ने कहा। “पीटर —तुम क्या सोचते हो? क्या वो काले बालों वाला, दाढ़ी-मूंछ साफ करने वाला कलाबाज़ चोर है? सच में, वही कलाबाज़ों में से सबसे ज़्यादा संभावित चोर है।”

“हाँ—बाकी सब लोगों की मूंछें हैं,” पीटर ने कहा। “पता नहीं अब हमें आगे क्या करना चाहिए? शायद बेहतर होगा कि हम जाकर उसे ढूंढें और उससे बात करें। हो सकता है वह कुछ ऐसा बता दे जिससे हमें मदद मिल जाए।”

“लेकिन हम उसे ढूंढने जाने के लिए क्या बहाना बना सकते हैं?” जॉर्ज ने कहा।

“ओह—उनसे ऑटोग्राफ मांग लो!” पीटर ने कहा। “उन्हें यह बिल्कुल स्वाभाविक लगेगा!”

बाकी लोग प्रशंसा भरी निगाहों से उसे घूर रहे थे। क्या गजब का विचार था! किसी ने भी इतना अच्छा विचार नहीं सोचा था।

“देखो,” बारबरा ने फुसफुसाते हुए कहा। “क्या वह वही है जो भालू प्रशिक्षक से बात कर रहा है? हाँ, वही है। पीटर, अब जब तुम उसे करीब से देख सकते हो, तो क्या वह तुम्हें चोर जैसा लगता है?”

पीटर ने सिर हिलाया। “हाँ, वो ऑटोग्राफ देते हैं। चलो, हम सब हिम्मत करके उनके पास जाकर ऑटोग्राफ मांगेंगे। ध्यान रखना और कान खुले रखना।”

वे कलाबाज के पास पहुँचे। वह आश्चर्य से मुड़ा। "अच्छा—क्या चाहते हो?" उसने मुस्कुराते हुए पूछा। "रस्सी पर चलना सीखना चाहते हो?"

“नहीं—कृपया अपना ऑटोग्राफ दीजिए,” पीटर ने कहा। उसने उस आदमी को घूर कर देखा। वह अचानक उसे कुछ अजीब सा लगा।

रिंग में वह जितना दिख रहा था, उससे कहीं अधिक उम्र का लग रहा था। कलाबाज हँस पड़ा। उसने एक बड़े लाल रुमाल से अपना माथा पोंछा।

उन्होंने कहा, “तंबू में बहुत गर्मी थी। हाँ, आप मेरा ऑटोग्राफ ले सकते हैं—लेकिन पहले मुझे अपनी विग उतारने दीजिए। इससे मेरा सिर बहुत गर्म हो जाता है!”

और बच्चों को बहुत आश्चर्य हुआ जब उसने अपने काले बाल खोल दिए और उन्हें पूरी तरह से

उतार दिया! वह एक विग थी और उसके नीचे वह कलाबाज बिल्कुल गंजा था। अरे बाप रे!
अध्याय दस।
ट्रिनकुलो, कलाबाज।
सातों ने हैरानी से उसकी ओर देखा। अरे! उसका सिर तो बिल्कुल गंजा था, बस सिर के ऊपरी हिस्से में कुछ भूरे बाल थे। वह चोर हो ही नहीं सकता। कॉलिन ने चोर के सिर का ऊपरी हिस्सा साफ-साफ देखा था जब वह पेड़ पर उसके ऊपर बैठा था—और उसने कहा था कि उसके बाल काले थे, बस बीच में एक छोटा सा गोल गंजापन था।
कॉलिन ने विग को हाथ में लिया। उसने उसे ध्यान से देखा, यह सोचते हुए कि शायद चोर ने हार चुराते समय यही विग पहनी हो। लेकिन बीच में कोई छोटा गोल गंजापन नहीं था! यह एक घनी काली विग थी, जिसमें कहीं भी कोई गंजापन नहीं था।
“लगता है आपको मेरी विग में बहुत दिलचस्पी है,” कलाबाज ने हंसते हुए कहा। “कोई भी कलाबाज गंजा नहीं हो सकता, आप जानते हैं। हमें जवान और खूबसूरत दिखना होता है।”
संभव है। अब, मैं आप सभी को अपना ऑटोग्राफ दूंगा, फिर आपको जाना होगा।
"धन्यवाद," पीटर ने कहा और उस आदमी को एक कागज का टुकड़ा और एक पेंसिल थमा दी।
छोटा भालू धीरे-धीरे टहलते हुए, बिल्कुल अकेला, थोड़ी सी फुफकारता हुआ आया।
“ओह, देखो!” जेनेट ने खुशी से कहा, “ओह, क्या यह हमारे पास आएगा, तुम्हें क्या लगता है? इधर आओ, नन्हा भालू।”
भालू सरक कर पास आया और जेनेट से लिपट गया। जेनेट ने उसे बाहों में भर लिया और उठाने की कोशिश की—लेकिन वह अप्रत्याशित रूप से भारी था। तभी एक अजीब सा, रूठा हुआ दिखने वाला युवक उसके पीछे आया और उसकी गर्दन के पास के बालों को ज़ोर से पकड़ लिया।
“अरे, बदमाश!” उसने कहा और उस छोटे से जीव को हिलाया। भालू कराह उठा।
“अरे नहीं!” जेनेट ने घबराकर कहा। “वह बहुत प्यारा है। वह तो बस हमसे मिलने आया था।”

युवक ने बड़े ही विचित्र कपड़े पहने हुए थे। उसने महिलाओं की सीक्वेंस से सजी हुई चोली, फूलों वाली टोपी और गंदी फलालैन की पतलून पहनी हुई थी!
पीटर ने उस छोटे भालू को ले जाते हुए उत्सुकता से उसकी ओर देखा। "क्या वह सर्कस में था?" उसने पूछा। "मुझे याद नहीं है।"
“जी हाँ—वह स्टिल्ट-वॉकर में से एक था,” कलाबाज़ ने ऑटोग्राफ देते हुए कहा। “उसका नाम लुई है। वह सभी जानवरों की देखभाल करता है। क्या आप कभी पिंजरे में भालुओं को देखने आना चाहेंगे?—वे बहुत शांत हैं—और अगर आप चाहें तो बूढ़े जंबो को एक-दो बन्स बहुत पसंद आएंगे। वह एक बड़े कुत्ते की तरह कोमल है।”
“ओह हाँ—हमें बहुत खुशी होगी!” जेनेट ने कहा, और तुरंत सोचने लगी कि वह उस प्यारे से छोटे भालू से दोस्ती करना कितना पसंद करेगी। “क्या हम कल आ सकते हैं?”
“जी हां—कल सुबह आना,” कलाबाज ने कहा। “ट्रिनकुलो से पूछना—मैं ही हूं। मैं कहीं आसपास ही मिलूंगा।”
बच्चों ने उन्हें धन्यवाद दिया और मैदान से चले गए। जब तक वे सर्कस के किसी भी व्यक्ति की सुनने की सीमा से काफी दूर नहीं चले गए, तब तक उन्होंने कुछ नहीं कहा।
“अच्छा हुआ वो कलाबाज नहीं था,” जेनेट ने कहा। “वो अच्छा इंसान है। मुझे उसका मजाकिया चेहरा भी पसंद है। जब उसने अपने काले बाल उतारे तो मुझे सच में झटका लगा!”
“मैंने भी यही सोचा,” पीटर ने कहा। “मुझे भी मूर्खता का एहसास हुआ। मुझे लगा था कि मुझे चोर की शक्ल याद है—जब मैंने ट्रिनकुलो का चेहरा देखा, तो मैं
मुझे सचमुच लगा कि वह चोर जैसा दिखता है। लेकिन ज़ाहिर है, वह चोर नहीं है। एक तो, मैंने जिसे देखा वह काफी छोटा था।
“मुझे लगता है कि हमें चेहरों पर भरोसा नहीं करना चाहिए,” कॉलिन ने कहा। “बेहतर होगा कि हम किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढें जिसने नीले रंग का पुलओवर पहना हो जिसमें लाल धागा लगा हो!”
"हम पूरे जिले में उसकी तलाश नहीं कर सकते," पाम ने कहा। "सच कहूं तो, यह बेवकूफी होगी।"
“अच्छा, क्या तुम्हारे पास कोई बेहतर विचार है?” कॉलिन ने पूछा।
ज़ाहिर है, उसने ऐसा नहीं किया था। और न ही किसी और ने। पीटर ने उदास स्वर में कहा, "हम फंस गए हैं। यह एक अजीब तरह का रहस्य है। हम सोचते रहते हैं कि हम कहीं पहुँच गए हैं—और फिर पाते हैं कि हम नहीं पहुँचे हैं।"
“क्या हम कल सर्कस के मैदान में चलें?” पाम ने पूछा। “ज़ाहिर है, चोर को ढूंढने के लिए नहीं, क्योंकि अब हम जानते हैं कि वह कोई कलाबाज़ नहीं है। लेकिन क्या हमें सिर्फ़ जानवरों को देखने के लिए जाना चाहिए?”
“हाँ। मुझे वह छोटा भालू बहुत पसंद आया,” जेनेट ने कहा। “और मैं बूढ़े जंबो को भी पास में देखना चाहूँगी। मुझे हाथी बहुत पसंद हैं।”
“मुझे नहीं लगता कि मैं आऊंगी,” बारबरा ने कहा।

मुझे हाथियों से थोड़ा डर लगता है, वे बहुत विशालकाय होते हैं।
“मैं भी नहीं आऊंगा,” जैक ने कहा। “तुम्हारा क्या ख्याल है, जॉर्ज? हमने कल डाक टिकटों की अदला-बदली करने का वादा किया था।”
“हाँ—ठीक है, हम भी नहीं जाएँगे,” जॉर्ज ने कहा। “तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं है, पीटर? मेरा मतलब है, भालुओं और हाथियों से दोस्ती करने जाने का सोसाइटी से कोई लेना-देना नहीं है।”
“ठीक है, जेनेट, पाम, कॉलिन और मैं चलेंगे,” पीटर ने कहा। “और ध्यान रखना—सभी को नीले रंग के पुलओवर पर एक छोटी लाल रेखा दिखाई देनी चाहिए। अगर आप ध्यान से देखेंगे तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आपको क्या देखने को मिल जाएगा!”
पीटर सही था—लेकिन उसे यह जानकर आश्चर्य होता कि अगले ही दिन वह और जेनेट क्या देखने वाले थे!
अध्याय ग्यारह।
पाम की खोज।
अगली सुबह जेनेट, पीटर, कॉलिन और पाम सर्कस के मैदान में जाने के लिए मिले। वे स्कैम्पर को साथ नहीं ले गए, क्योंकि उन्हें लगा कि हाथी जंबो को उसके टखनों के पास सूंघना पसंद नहीं आएगा।
उसे अकेला छोड़े जाने पर बहुत गुस्सा आया था, और उसकी दर्द भरी चीखें गली में दूर तक सुनाई दे रही थीं। "बेचारा स्कैम्पर!" जेनेट ने कहा। "काश हम उसे अपने साथ ले जा पाते—लेकिन कहीं वो शेरों के पिंजरे में न चला जाए। वो बहुत जिज्ञासु है।"
वे जल्द ही मैदान में आ गए। वे मैदान पार करते हुए सर्कस के लोगों को उत्सुकता से देखने लगे। जेनेट ने सोचा, साधारण कपड़ों में वे कितने अलग दिख रहे थे—बिल्कुल भी अच्छे नहीं। लेकिन फिर, रिंग में वे कितने रोमांचक और शानदार लग रहे थे!
उनमें से एक-दो ने खेत में छोटी-छोटी आग जला रखी थी और उसमें कुछ पका रहे थे।
आग पर काले बर्तन रखे थे। पता नहीं क्या पक रहा था, उसकी खुशबू बहुत ही स्वादिष्ट थी। इससे पीटर को बहुत भूख लगने लगी।
उन्हें ट्रिनकुलो मिल गया, और उसने अपना वादा निभाया। वह उन्हें जंबो से दोस्ती कराने ले गया, जिसने उनके लिए मधुरता से चिंघाड़ निकाली, और फिर अपनी मजबूत सूंड को एक झटके में घुमाकर जेनेट को अपने विशाल सिर पर बिठा दिया। वह आश्चर्य और खुशी से चीख उठी।
वे छोटे भालू को ढूंढने गए। उन्हें देखकर वह बहुत खुश हुआ और पिंजरे की सलाखों के बीच से अपने पंजे निकालकर उनके हाथों तक पहुँचने की कोशिश की। ट्रिनकुलो ने पिंजरा खोलकर उसे बाहर निकाल दिया। वह लड़खड़ाते हुए उनके पास आया और ट्रिनकुलो के पैर से लिपट गया, अपने प्यारे से भालू जैसे चेहरे पर शरारती मुस्कान लिए उन सबको देखने लगा।
“काश वो इतना भारी न होता,” जेनेट ने कहा, जिसे हमेशा से ही अपने मनपसंद जानवर को उठाकर गले लगाना अच्छा लगता था। “काश मैं उसे खरीद पाती।”
“हे भगवान—अगर हम स्कैम्पर को घर ले जाएं तो वो क्या कहेगा?” पीटर ने कहा।
ट्रिनकुलो उन्हें पिंजरों में बंद विशाल शेरों को दिखाने ले गया। लुई नाम का वह रूठा हुआ युवक

किसी और के साथ वहाँ सफाई कर रहा था।
पिंजरों में। पिंजरे में मौजूद दूसरे आदमी ने घूरते बच्चों को देखकर मुस्कुराया। शेरों में से एक गुर्राया।
जेनेट पीछे हट गई। "कोई बात नहीं," प्रशिक्षक ने कहा। "जब तक इन्हें अच्छे से खाना मिलता रहे और ये झगड़ा न करें, तब तक ये सब हानिरहित हैं। लेकिन ज्यादा पास मत आना, मिस्सी, कहीं कुछ गड़बड़ न हो जाए। ये लो, लुई। पानी का बर्तन फिर से भर दो—पानी बहुत गंदा है।"
लुई ने वैसा ही किया जैसा उसे कहा गया था। बच्चे उसे बड़े पानी के कुंड को पलटकर गंदा पानी निकालते हुए देख रहे थे। फिर उसने उसे दोबारा भर दिया। वह शेरों से ज़रा भी डरा हुआ नहीं लग रहा था। जेनेट उसे पसंद नहीं करती थी, लेकिन वह उसकी बहादुरी देखकर दंग रह गई!
जाने का समय आते ही वे सब दुखी हो गए। उन्होंने ट्रिनकुलो को अलविदा कहा, छोटे भालू को एक बार फिर थपथपाया, और फिर मैदान पार करके जंबो के पास गए। उन्होंने जंबो के खंभे जैसे पैर पर जहाँ तक पहुँच सकते थे, थपथपाया, और फिर रंग-बिरंगे कारवां की कतार के साथ-साथ मैदान के अंत में बने द्वार तक चले गए।
कुछ कारवां सवार अपने कपड़े धो रहे थे। उन्होंने काफी गंदगी फैला दी थी।
कुछ कपड़े घास पर सूखने के लिए रखे थे। कुछ अन्य लोगों ने एक कच्ची कपड़े सुखाने की रस्सी बनाई थी और उस पर तरह-तरह की चीजें टांग रखी थीं जो हवा में लहरा रही थीं।
बच्चे इधर-उधर घूमते हुए, रास्ते में आने वाली हर चीज़ को देखते जा रहे थे। तभी अचानक पाम रुक गई। उसने एक रस्सी पर लटकी किसी चीज़ को गौर से देखा। जब उसने उनकी तरफ़ अपना चेहरा घुमाया, तो वह इतनी उत्साहित लग रही थी कि बाकी बच्चे भी दौड़कर उसके पास आ गए।
"क्या हुआ?" पीटर ने पूछा। "तुम तो एकदम लाल दिख रहे हो! क्या बात है?"
"क्या कोई हमें देख रहा है?" पाम ने धीमी आवाज़ में पूछा। "अच्छा, पीटर—जल्दी करो और इस रस्सी पर लटके इन मोजों को देखो। ये तुम्हें किस चीज़ की याद दिलाते हैं?"
बाकी लोग रस्सी पर टंगी चीजों को देखने लगे— फटे हुए रूमाल, बच्चों की छोटी-छोटी फ्रॉक, मोजे और मोज़े। एक पल के लिए पीटर को लगा कि पाम ने नीले रंग का पुलओवर देख लिया है!
लेकिन हवा में लहराता हुआ कोई पुलओवर नहीं था। उसे आश्चर्य हुआ कि पैम का ध्यान किस ओर आकर्षित हुआ था। फिर उसने देखा कि वह किस चीज़ को घूर रही थी।
वह नीले ऊनी मोजों की एक जोड़ी को बहुत ध्यान से देख रही थी—और उनके दोनों किनारों पर लाल रंग का पैटर्न बना हुआ था! पीटर का ध्यान तुरंत उसके पर्स में रखे ऊन के टुकड़े पर गया —क्या वह उससे मेल खाता है?
पलक झपकते ही उसने उसे बाहर निकाला और मोजे से तुलना करने लगा। नीला रंग एक जैसा था। लाल रंग एक जैसा था। ऊन भी बिलकुल एक जैसी लग रही थी।
"और यहाँ देखो," पाम ने फुसफुसाते हुए जल्दबाजी में कहा। "इस मोजे में एक छोटा सा छेद है —ठीक यहीं—जहाँ से ऊन का एक छोटा सा टुकड़ा निकल गया है। मुझे पूरा यकीन है, पीटर,

कि नीले ऊन का तुम्हारा टुकड़ा यहीं से आया है—इसी मोजे से!”
पीटर को भी इस बात का पूरा यकीन था। एक बूढ़ी औरत आई और उन्हें भगा दिया। उसने कहा, "उन कपड़ों को छूने की हिम्मत मत करना!"
पीटर में यह पूछने की हिम्मत नहीं हुई कि मोज़े किसके हैं। लेकिन अगर उसे पता चल जाता, तो वह चोर को तुरंत पहचान लेता!
अध्याय बारह।
एक पैर वाला विलियम।
सर्कस की बूढ़ी औरत ने पाम को हल्का सा धक्का दिया। "क्या तुमने मुझे जाते हुए नहीं सुना!" उसने डांटते हुए कहा। वे सब एक साथ जाने का फैसला कर लिया। पाम को लगा कि वह बूढ़ी औरत सचमुच किसी चुड़ैल जैसी दिखती है!
वे चुपचाप, लेकिन बेहद उत्साहित होकर तेज़ी से खेत से बाहर निकल गए। गली में पहुँचते ही वे सब एक साथ बोलने लगे।
“हमने मोजों के बारे में कभी सोचा ही नहीं! हमें लगा कि हमें पुलओवर ढूंढना पड़ेगा!”
"लेकिन ये मोज़े ही हैं—ये जोड़ी बिल्कुल उसी ऊन से बनी है जिससे हमें दीवार पर चिपका हुआ यह टुकड़ा मिला था!"
“हे भगवान! हमने यह पूछने की हिम्मत भी नहीं की कि ये मोजे किसके थे!”
"काश, हमें पता चल जाता कि चोर कौन था।"
वे आगे क्या करना है इस पर चर्चा करने के लिए फार्महाउस की ओर तेजी से भागे। और नीचे शेड में जैक, जॉर्ज और बारबरा धैर्यपूर्वक उनका इंतजार कर रहे थे! उन्होंने दूसरों को मोजों के बारे में बताने का मौका ही नहीं दिया - वे तुरंत अपनी कहानी सुनाने लगे।
“पीटर! जेनेट! आपको याद हैं वो अजीब से गोल निशान जो हमने दीवार के अंदर देखे थे! हमें बिल्कुल वैसे ही कुछ और निशान मिले हैं!” जैक ने कहा।
“कहाँ?” पीटर ने पूछा।
“पुराने चिमनी कॉटेज के पास एक कीचड़ भरे इलाके में,” जैक ने कहा। “जॉर्ज और मैंने उन्हें देखा और बारबरा को बुलाने गए। फिर हम आपको बताने आए। और तो और, बारबरा जानती है कि ये निशान किसने बनाए हैं!”
“तुम कभी अंदाजा भी नहीं लगा पाओगे!” बारबरा ने कहा।
"बताओ ना!" जेनेट ने कहा, मोजों के बारे में पूरी तरह से भूलकर।
“जब मैंने वो निशान देखे—गोल और एक जैसे, बिल्कुल वैसे ही जैसे हमने देखे थे—तो पहले तो मुझे समझ ही नहीं आया कि ये क्या हैं,” बारबरा ने कहा। “लेकिन फिर, जब मुझे याद आया कि पास की झोपड़ी में कौन रहता था, तो मुझे पता चल गया।”
“वे क्या थे?” पीटर ने उत्सुकता से पूछा।
क्या आप जानते हैं कि चिमनी में कौन रहता है?
“कुटिया?” बारबरा ने पूछा। “नहीं, तुम्हें नहीं पता। अच्छा, मैं तुम्हें बताती हूँ—यह एक पैर वाला विलियम है! एक बार शार्क ने उसका एक पैर काट दिया था, और अब उसका लकड़ी का पैर है

—और जब वह उस पैर से कीचड़ में चलता है, तो उससे गोल निशान बन जाते हैं—बिल्कुल वैसे ही निशान जो हमने दीवार के दूसरी तरफ देखे थे। यह एक पैर वाला विलियम ही चोर होगा।"

बाकी लोग कुछ देर बैठकर इस बारे में सोचते रहे। फिर पीटर ने अपना सिर हिलाया।

नहीं। एक पैर वाला विलियम चोर हो ही नहीं सकता। वह एक पैर से दीवार फांद ही नहीं सकता था—और वैसे भी—चोर ने मोज़े पहने थे—और इसका मतलब है कि उसके दो पैर थे!"

"तुम्हें कैसे पता चला कि उसने मोज़े पहने थे?" बारबरा ने आश्चर्यचकित होकर पूछा।

उन्होंने उसे सर्कस के मैदान में रस्सी पर टंगे मोजों के बारे में बताया। बारबरा ने बहुत सोचा।

"खैर—मुझे लगता है चोर मोज़े पहने दो पैरों वाला आदमी था—लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि एक पैर वाला विलियम उसकी मदद करने के लिए—उसे सहारा देने के लिए—या कुछ और —उसके साथ क्यों नहीं हो सकता था। निशान बिल्कुल एक जैसे हैं! वैसे भी एक पैर वाला विलियम वहाँ क्या कर रहा था?"

"हमें यही पता लगाना होगा," पीटर उठते हुए बोला। "चलो—हम जाकर उससे कुछ सवाल पूछते हैं—और उन निशानों को देखते हैं। सोचो, ये निशान एक पैर वाले आदमी ने बनाए हों—मैंने तो कभी सोचा भी नहीं था!"

वे चिमनी कॉटेज की ओर चल पड़े।

ठीक बाहर एक बहुत ही कीचड़ भरा इलाका था—और वाकई, उस पर वही गोल, नियमित निशान बने हुए थे जो बच्चों ने मिल्टन मनोर की दीवार पर देखे थे। पीटर उन्हें ध्यान से देखने के लिए नीचे झुका।

उसने अपनी नोटबुक निकाली और उसमें से वह धागा निकाला जिसे जॉर्ज ने अन्य गोल निशानों की चौड़ाई नापते समय काटा था। वह आश्चर्य से ऊपर देखने लगा।

"नहीं—ये निशान एक जैसे नहीं हैं—ये लगभग एक इंच छोटे हैं—देखो!" उसने धागे को एक निशान के ऊपर रखा, और बाकी लोगों ने तुरंत देखा कि यह निशान की चौड़ाई से लंबा था।

"वाह! ये तो अजीब बात है!" जॉर्ज ने कहा। "तो फिर ये एक पैर वाला विलियम तो नहीं हो सकता। क्या इस इलाके में कोई और लकड़ी का पैर वाला आदमी है? कोई ऐसा जिसका पैर थोड़ा चौड़ा हो और निशान से मेल खाता हो?"

सबने बहुत सोचा—लेकिन किसी को भी लकड़ी के पैर वाले आदमी का ख्याल नहीं आया। यह वाकई निराशाजनक था! पीटर ने कहा, "हम सोचते रहते हैं कि हम समस्याओं को सुलझा रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि लकड़ी के नकली पैर वाला एक आदमी वहाँ मौजूद था।"

चोर, पता नहीं क्यों—लेकिन वह एक पैर वाला विलियम नहीं था। और हम इतना तो जानते हैं कि चोर का एक पैर नहीं हो सकता क्योंकि उसने निश्चित रूप से दो मोज़े पहने हुए हैं!

"हम उसके मोजे तो जानते हैं—लेकिन उसे नहीं जानते!" जेनेट ने कहा। "यह रहस्य पहले से कहीं अधिक रहस्यमय होता जा रहा है। हमें ऐसी बातें पता चल रही हैं जिनका कोई सुराग नहीं मिल रहा!"

पीटर ने कहा, "हमें कल सर्कस के मैदान में वापस जाना होगा और उन मोजों का पता लगाने की

कोशिश करनी होगी। हम सीधे-सीधे यह तो नहीं पूछ सकते कि वे किसके हैं - लेकिन हम देख सकते हैं कि उन्हें कौन पहन रहा है!"

“ठीक है,” कॉलिन ने कहा। “दस बजे फिर वहीं मिलते हैं—और हम उस मैदान में हर किसी के पैर में पहनी हर मोजे को बारीकी से देखेंगे!”

अध्याय तेरह।

टोपी से मेल खाता हुआ कोट।

दस बजे सीक्रेट सेवन के सभी सदस्य सर्कस के मैदान में थे। उन्होंने वहाँ होने के बहाने के तौर पर कलाबाज़ ट्रिनकुलो को फिर से देखने का फैसला किया। लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

“वह शहर चला गया है,” दूसरे कलाबाजों में से एक ने कहा। “तुम्हें उसकी क्या जरूरत है?”

“ओह—बस उनसे पूछने आया था कि क्या हम थोड़ी मस्ती कर सकते हैं,” जैक ने कहा। “मतलब—जानवरों को थोड़ा देख लें वगैरह।”

“चलते रहो,” कलाबाज ने कहा और अपने कारवां की ओर चल पड़ा, पूरे रास्ते कलाबाज की तरह कलाबाजियाँ करता हुआ। बच्चे उसे प्रशंसा से देखते रहे। “ये लोग अपने हाथों और पैरों पर ऐसे कैसे पलट जाते हैं?” पाम ने पूछा। “बिल्कुल पहियों की तरह गोल-गोल घूमते हैं!”

“कोशिश करो,” जॉर्ज ने मुस्कुराते हुए कहा। लेकिन जब पाम ने अपने हाथों के बल पलटने की कोशिश की, तो वह तुरंत गिर पड़ी और ज़मीन पर लेटकर हंसने लगी।

एक छोटी सर्कस वाली लड़की वहाँ से गुज़री, उसके उलझे हुए बाल उसकी आँखों पर लटक रहे थे। उसने पाम को देखकर हँसा और तुरंत मैदान में कलाबाज़ी करते हुए, अपने हाथों और पैरों पर ठीक उसी फुर्ती से पलटने लगी जैसे कोई कलाबाज़ कर रही हो।

“देखो तो ज़रा! बच्चे भी इसे कर सकते हैं। हमें घर पर अभ्यास करना होगा।”

वे छोटे भालू को देखने गए, जो गहरी नींद में सो रहा था। फिर वे सावधानी से कपड़े सुखाने वाली रस्सी के पास गए। मोज़े गायब थे! आह! अब शायद किसी ने उन्हें पहन रखा था। जो भी हो, वही चोर होगा।

बच्चे फिर से मैदान के चारों ओर घूमने लगे और हर आदमी के टखनों को देखने लगे। लेकिन उन्हें बहुत गुस्सा आया क्योंकि हर किसी के टखने नंगे थे! किसी ने भी मोज़े नहीं पहने थे। कितना निराशाजनक!

लुई शेरों के पिंजरे के पास आया और उसका ताला खोला। वह अंदर गया और रोज़ाना की तरह सफाई करने लगा। उसने शेरों पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया, और शेरों ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया। जेनेट ने सोचा कि शेरों के पैरों के चारों ओर झाड़ू लगाना और ज़रा भी परवाह न करना कितना अद्भुत होगा!

उसने अपनी गंदी फलालैन की पैंट घुटनों तक मोड़ रखी थी। उसके पैर भी गंदे थे और बिल्कुल नंगे थे। पैरों में गंदे पुराने रबर के जूते थे।

बच्चे कुछ देर तक उसे देखते रहे और फिर जाने के लिए मुड़ गए। उनके जाते ही एक और आदमी आया और उन्होंने सरसरी नजर से उसकी एड़ियों पर देखा कि उसने किस तरह के मोजे पहने हैं, अगर पहने भी हों तो। ज़ाहिर है, वह भी नंगे पैर था!

लेकिन जैक की नज़र किसी चीज़ पर पड़ी और वह रुक गया और उस आदमी को ध्यान से देखने लगा। उस आदमी ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या मुझमें कुछ खराबी है?" उसने चिढ़कर कहा। "घूरते रहो!"

जैक ने बाकी लोगों की तरफ देखा, उसका चेहरा उत्साह से लाल हो गया था। उसने उन्हें थोड़ा आगे धकेला, जब तक कि वह उस आदमी की सुनने की सीमा से बाहर नहीं निकल गया।

“क्या तुमने उसका वो कोट देखा?”

उसने पूछा, “यह उस टोपी की तरह है जो हमें पेड़ पर मिली थी—बस उतनी गंदी नहीं है! मुझे यकीन है कि यह गंदी ही होगी!”

सभी सातों ने मुड़कर उस आदमी को देखा, जो उस समय शेरों के पिंजरे के बाहरी हिस्से को रंग रहा था, जिससे वह पहले से थोड़ा अधिक आकर्षक लग रहा था। उसने अपने कपड़े उतार दिए थे।

उसने कोट उतारा और उसे शेरों के पिंजरे के हैंडल पर टांग दिया। सातों शेर यह देखने के लिए कितने बेताब थे कि जाकर टोपी की तुलना कोट से करें!

“क्या तुम्हारे पास टोपी है?” पाम ने फुसफुसाते हुए पूछा। पीटर ने सिर हिलाया और अपने कोट की जेब थपथपाई। उसके पास तो सारे सुराग थे ही!

अचानक उन्हें मौका मिल गया। किसी के चिल्लाने की आवाज़ से वह आदमी चला गया, और अपना रंग का डिब्बा, ब्रश और कोट वहीं छोड़ गया। तुरंत बच्चे कोट के पास दौड़ पड़े।

“जब तक मैं टोपी और कोट की तुलना करता हूँ, तब तक शेरों के पिंजरे में झाँकने का नाटक करो,” पीटर ने धीमी आवाज़ में कहा। वे सभी पिंजरे में देखने लगे और शेरों के बारे में बातें करने लगे, तभी पीटर ने अपनी जेब से टोपी निकाली और जल्दी से उसे कोट पर रख दिया।

उसने तुरंत टोपी वापस रख दी। इसमें कोई शक नहीं था—टोपी और कोट बिल्कुल मेल खा रहे थे। तो क्या शेरों के पिंजरे को रंगने वाला यह आदमी ही चोर था? लेकिन उसने अपनी टोपी इतनी ऊंचाई पर पेड़ पर कैसे फेंक दी? वह उसे वहीं क्यों छोड़ गया? यह बात समझ से परे थी।

वह आदमी सीटी बजाते हुए वापस आया। वह अपना ब्रश उठाने के लिए झुका, और कॉलिन को उसके सिर का ऊपरी हिस्सा साफ दिखाई दिया। उसने उसे निहारा।

फिर सभी बच्चे पीटर से टोपी के बारे में पूछने के लिए एक साथ आगे बढ़े।^ जब वे सुनाई देना बंद कर दिए, तो उसने उन्हें सिर हिलाकर इशारा किया। “हाँ,” उसने कहा। “ये दोनों टोपी एक जैसी हैं। तो शायद वही चोर है। हमें उस पर नज़र रखनी होगी।”

“कुछ नहीं,” कॉलिन ने अचानक कहा। “मैंने बस उसके सिर का ऊपरी हिस्सा देखा। उसके बाल काले हैं—लेकिन सिर के ऊपरी हिस्से पर गोल गंजापन नहीं है, जैसा उस आदमी के सिर पर था जो मेरे नीचे उस पेड़ पर बैठा था। वह चोर नहीं है!”

अध्याय चौदह।

फिर से वही विचित्र निशान।

वे सातों सर्कस के मैदान के चारों ओर लगी बाड़ की रेलिंग पर जाकर बैठ गए।

वे निराश महसूस कर रहे थे।

“सोचिए, हमें एक ऐसा व्यक्ति मिला जिसने बिल्कुल वैसी ही टोपी पहनी हुई थी जैसी हमें मिली थी—लेकिन फिर भी वह चोर नहीं हो सकता क्योंकि उसके सिर का ऊपरी हिस्सा अलग है!” पीटर ने आह भरी। “सच कहूँ तो यह बहुत ही परेशान करने वाला रोमांच है। हमें हर बार कुछ न कुछ रोमांचक पता चलता है—और हर बार उसका कोई नतीजा नहीं निकलता!”

“और अगर हमें वो मोज़े पहने हुए कोई मिल भी गया, जिनके बारे में हमें पूरा यकीन है कि वो चोर के हैं, तो वो भी चोर नहीं होगा,” जेनेट ने कहा। “शायद उसकी चाची या कोई और होगी!”

यह सुनकर सब हंस पड़े। पीटर ने कहा, "खैर, हमें पक्का यकीन नहीं है कि टोपी का हार की चोरी से कोई संबंध है। हमें तो बस वह ऊपर हवा में फेंकी हुई मिली थी।"

पेड़ पर, तुम्हें पता है ना, उसी जगह के पास जहाँ से चोर दीवार फांदकर अंदर आया था।"

“इसका उस रहस्य से कुछ न कुछ संबंध जरूर है,” जॉर्ज ने कहा। “मुझे पूरा यकीन है—हालांकि लाख कोशिश करने पर भी मुझे समझ नहीं आ रहा कि कैसे।”

वे सब बाड़ पर बैठ गए और गंभीरता से खेत को निहारने लगे। यह कितना उबाऊ रोमांच था! और फिर जेनेट ने हल्की सी चीख मारी।

“क्या बात है? क्या तुमने कुछ सोचा है?” पीटर ने पूछा।

“नहीं। लेकिन मुझे कुछ दिख रहा है,” जेनेट ने कहा और उसने दाईं ओर इशारा किया। बाकी सबने उसकी ओर देखा और हैरानी से घूरने लगे!

वह खेत ठीक वहीं पर काफी गीला था, और गीले हिस्से में गोल, नियमित निशान थे, बिल्कुल वैसे ही जैसे उन्होंने दीवार के पास देखे थे - और बिल्कुल वैसे ही छोटे निशान जो एक पैर वाले आदमी ने अपनी झोपड़ी के पास बनाए थे!

पीटर उत्साह से उछलते हुए बोला, "मुझे लगता है ये निशान सही आकार के हैं। ये एक पैर वाले आदमी के लकड़ी के पैर से बने निशानों से बड़े दिखते हैं। मैं इन्हें नापूँगा।"

उसने अपनी रस्सी निकाली और उसे सावधानीपूर्वक एक निशान पर रखा। फिर दूसरे पर और फिर तीसरे पर। उसने खुशी से ऊपर देखा।

“देखा? बिलकुल एक ही आकार के! ये सभी गोल निशान बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे हमने उस दीवार के नीचे जमीन पर देखे थे जिस पर चढ़कर चोर आया था!”

“तो फिर—सर्कस में कोई और एक पैर वाला आदमी ज़रूर होगा—एक ऐसा आदमी जिसका लकड़ी का पैर उन गोल निशानों के बराबर माप का हो,” कॉलिन ने उत्साह से कहा। “वह चोर नहीं है, क्योंकि एक पैर वाला आदमी दीवार पर चढ़ नहीं सकता, लेकिन वह ज़रूर चोर के साथ रहा होगा!”

“हमें उसे ढूंढना ही होगा,” जॉर्ज ने कहा। “अगर हम यह पता लगा लें कि उसका दोस्त कौन है, या वह किसके साथ कारवां में रहता है, तो हमें पता चल जाएगा कि उसका दोस्त ही चोर है – और मुझे लगता है कि चोर ने भी वही मोज़े पहने होंगे! हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं!”

पीटर ने कुछ देर पहले कलाबाज़ी करतब दिखाने वाली छोटी सर्कस वाली लड़की को इशारा किया। "अरे, तुम!" उसने पुकारा। "हमें यहाँ मौजूद एक पैर वाले आदमी से बात करनी है। उसका कारवां कौन सा है?"

“मूर्ख मत बनो,” छोटी लड़की ने कहा। “यहाँ कोई एक पैर वाला आदमी नहीं है। वो सर्कस में क्या कर रहा होगा? हम सबके पास दो पैर हैं—और हमें उनकी ज़रूरत है! तुम मूर्ख हो!”
“अब ध्यान से सुनो,” पीटर ने दृढ़ता से कहा। “हम अच्छी तरह जानते हैं कि यहाँ एक पैर वाला आदमी है और हम उससे मिलना चाहते हैं। अगर तुम हमें बताओगे कि वह कहाँ है, तो तुम्हें एक पैसा मिलेगा।”
छोटी लड़की ने झट से सिक्का छीन लिया। फिर वह बेरुखी से हंस पड़ी। "एक पैसा"
“कुछ नहीं!” उसने कहा। “तुम पागल हो! मैं तुम्हें बता रही हूँ, यहाँ कोई एक पैर वाला आदमी नहीं है!”
और इससे पहले कि वे उससे कुछ और पूछ पाते, वह सर्कस के किसी भी विदूषक की तरह तेजी से हाथों और पैरों के बल पलटते हुए गायब हो गई!
पास के एक वैन से एक महिला ने कहा, "तुम उसके पीछे जाओ और उसे मारो। लेकिन वो कुछ नहीं कहेगी। यहाँ कोई एक पैर वाला आदमी नहीं है!"
वह अपने कारवां में गई और दरवाजा बंद कर लिया। सातों लोग काफी हैरान रह गए। पीटर ने कराहते हुए कहा, "पहले हमें चिमनी कॉटेज के बाहर निशान मिले और हमें पूरा यकीन था कि वे चोर के हैं, लेकिन वे एक पैर वाले आदमी के हैं जिसका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है—और फिर हमें सही निशान मिले, सही आकार के—और हमें बताया गया कि यहाँ कोई एक पैर वाला आदमी है ही नहीं! यह वाकई बहुत पेचीदा है!"
“चलो निशानों का पीछा करते हैं,” जेनेट ने कहा। “लंबी घास में उन्हें देखना मुश्किल होगा—लेकिन शायद हमें इतने निशान मिल जाएं कि हम उनका पीछा कर सकें।”
वे उनका पीछा करने में कामयाब रहे। उन्होंने उनका पीछा करते हुए एक छोटी सी कारवां तक पहुंचे जो खड़ी थी
शेरों के पिंजरे से कुछ दूर, एक कारवां के बगल में जहाँ लुई सीढ़ियों पर बैठा था। वह उन्हें आश्चर्य से देख रहा था।
वे छोटी सी वैन की सीढ़ियों पर चढ़े और अंदर झाँका। ऐसा लग रहा था कि वह सर्कस के सामान से भरी हुई है। वहाँ कोई रहता हुआ नहीं दिख रहा था।
एक पत्थर उनके पास से फिसलकर गुजरा और उन्हें चौंका दिया। "यहाँ ताक-झांक करने का तुम्हारा कोई काम नहीं है!" लुई चिल्लाया और दूसरा पत्थर उठा लिया। "क्या तुम मुझे सुन रहे हो? यहाँ से चले जाओ!"
अध्याय पंद्रह।
पीटर और कॉलिन के लिए यह एक बड़ा झटका था।
वे सातों जल्दी से सर्कस के मैदान से निकलकर गली में चले गए। जॉर्ज ने अपने टखने को रगड़ा जहाँ लुई के पत्थरों में से एक उसे लगा था।
“बेशर्म!” उसने कहा। “उसने हमें उस छोटी सी पुरानी कारवां में झाँकने क्यों नहीं दिया? वैसे भी, उसका इस्तेमाल तो सिर्फ सामान रखने के लिए होता है।”
"शायद चोर ने मोती वहीं छिपाए हों!" जेनेट ने हंसते हुए कहा।

पीटर उसे घूरता रहा और गहराई से सोचने लगा। "क्या तुम्हें पता है—तुम शायद सही हो!" उसने धीरे से कहा। "हमें पूरा यकीन है कि चोर सर्कस का है—हमें पूरा यकीन है कि मोती वहीं होंगे—और लुई इतना परेशान क्यों है जबकि हमने बस उस कारवां में झाँका था?"

“काश हम इसे खोजकर देख पाते,” कॉलिन ने बड़ी उम्मीद से कहा। “लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम ऐसा कर पाएंगे।”

“हाँ, मैं ज़रूर जाऊँगा!” पीटर ने कहा। “हम दोनों आज रात सर्कस का शो देखने चलेंगे, कॉलिन—लेकिन हम बीच में ही चुपके से निकल जाएँगे, जब सारे कलाकार रिंग में या उसके पीछे होंगे—और देखेंगे कि क्या वो मोती वहाँ छिपे हैं!”

"लेकिन ऐसा तो नहीं होगा, है ना?" पाम ने पूछा। "यह तो बहुत ही अजीब जगह लगती है।"

“मुझे कुछ-कुछ ऐसा आभास हो रहा है,” पीटर ने हठपूर्वक कहा। “मैं इसे समझा नहीं पा रहा हूँ। वे अजीब से गोल निशान शायद उसी ओर इशारा कर रहे थे, है ना? खैर, यह अपने आप में ही काफी अजीब बात है।”

“बिल्कुल,” बारबरा ने कहा। “एक ऐसे एक पैर वाले आदमी के निशान जो असल में है ही नहीं! मुझे लगता है यह एक बेतुका रोमांच है।”

“ऐसा बिल्कुल नहीं है,” जॉर्ज ने कहा। “यह कुछ हद तक एक पहेली की तरह है—जब इसके टुकड़े इधर-उधर बिखरे होते हैं तो वे काफी अजीब और निराशाजनक लगते हैं—लेकिन जैसे ही आप उन्हें ठीक से एक साथ जोड़ते हैं, वे एक स्पष्ट तस्वीर बना देते हैं।”

“हाँ—और अब तक हमें बहुत सारे अजीबोगरीब टुकड़े मिले हैं जो वास्तव में एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं—लेकिन हमें नहीं पता कि वे कैसे फिट होते हैं,” पाम ने कहा। “एक नीले ऊन का टुकड़ा जो उन मोजों का था जिन्हें हमने देखा था

एक अजीबोगरीब निशान—एक ट्वीड टोपी जो किसी ऐसे व्यक्ति के कोट से मेल खाती है जिसे हम जानते हैं, वह चोर नहीं है! अजीबोगरीब निशान जो हर जगह दिखाई देते हैं और हमें कुछ नहीं बताते।

“चलो घर चलते हैं,” जैक ने अपनी घड़ी देखते हुए कहा। “लगभग खाने का समय हो गया है। हमने पूरी सुबह बेकार की खोजबीन में बिता दी। सच कहूँ तो, इस पूरे मामले को लेकर मैं काफी उलझन में हूँ। हम बस उन रास्तों पर चल रहे हैं जिनका कोई फायदा नहीं है।”

गली से नीचे जाते हुए पीटर ने कहा, "आज और कोई मीटिंग नहीं। कॉलिन और मैं आज रात अकेले मिलेंगे और सर्कस जाएंगे। कॉलिन, टॉर्च ले आना। अरे वाह—अगर हमें उस पुराने कारवां में छिपे मोती मिल गए तो!"

“हम ऐसा नहीं करेंगे,” कॉलिन ने कहा। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम इसे खोजने पर इतने अड़े क्यों हो। ठीक है—आज रात सर्कस के गेट पर मिलते हैं!”

वह पहले ही वहाँ पहुँच गया था। पीटर थोड़ी देर बाद दौड़ता हुआ आया। वे दोनों साथ में अंदर गए, दो शिलिंग और देने पर झुंझलाते हुए बोले, "वह भी सिर्फ आधे शो के लिए!" पीटर ने फुसफुसाते हुए कहा।

दोनों लड़के बड़े तंबू में गए और पीछे की ओर सीटें ढूंढ लीं, ताकि वे

वे आसानी से बिना किसी का ध्यान खींचे निकल गए। वे बैठ गए और शो शुरू होने का इंतजार करने लगे।

यह वाकई बहुत अच्छा था, और जोकर, तख़्ते पर चलने वाले कलाकार और कलाबाज़ पहले से भी ज़्यादा शानदार लग रहे थे। शो खत्म होने से पहले चुपके से निकल जाने पर लड़कों को काफ़ी अफ़सोस हुआ।

सर्कस के मैदान में अब अंधेरा हो चुका था। वे दिशा जानने के लिए रुके। पीटर ने कॉलिन का हाथ पकड़ते हुए कहा, "वहाँ देखो—मुझे यकीन है कि वही काफिला है।"

वे सावधानी से कारवां की ओर बढ़े। उन्होंने टॉर्च जलाने की हिम्मत नहीं की, कहीं कोई उन्हें देख न ले और उन्हें चुनौती न दे दे। पीटर कारवां की सबसे निचली सीढ़ी से गिर गया, और फिर सावधानी से ऊपर चढ़ने लगा।

“चलो,” उसने कॉलिन से फुसफुसाते हुए कहा। “सब ठीक है! दरवाजा भी बंद नहीं है। हम चुपके से अंदर जाएंगे और तुरंत तलाशी शुरू करेंगे!”

दोनों लड़के चुपके से कारवां में घुस गए। अंधेरे में उन्हें किसी चीज़ से टक्कर लगी। "क्या हमें अभी टॉर्च जला लेनी चाहिए?" कॉलिन ने फुसफुसाते हुए कहा।

“हाँ। मुझे आस-पास किसी की आहट सुनाई नहीं दे रही,” पीटर ने फुसफुसाते हुए जवाब दिया। इसलिए, बहुत सावधानी से, अपने हाथों से रोशनी को ढकते हुए, उन्होंने अपनी टॉर्च जला दीं।

उन्हें तुरंत एक भयानक झटका लगा। वे गलत कारवां में आ गए थे! यह वह छोटा कारवां नहीं था जिसमें सर्कस का सामान रखा जाता था—यह तो लोगों के रहने का कारवां था। हे भगवान!

मान लीजिए कि वे पकड़े गए, तो कितना हंगामा मच जाएगा।

“जल्दी बाहर निकलो!” पीटर ने कहा। लेकिन उसके बोलते ही कॉलिन ने अपना हाथ पकड़ लिया। उसने बाहर कुछ आवाज़ें सुनी थीं! तभी कोई सीढ़ियों से ऊपर आया। अब ये लोग क्या करेंगे!

अध्याय सोलह।

कैदी।

“जल्दी करो! उस चारपाई के नीचे छिप जाओ—और मैं इसके नीचे छिप जाता हूँ,” पीटर ने पैम्क में फुसफुसाते हुए कहा। वह और कॉलिन उसके नीचे रेंगकर गए और अपने ऊपर पर्दे खींच लिए। वे वहाँ काँपते हुए इंतज़ार करने लगे।

दो आदमी कारवां में आए और उनमें से एक ने दीपक जलाया। दोनों एक-एक पलंग पर बैठ गए। पीटर को उनके पैरों और टखनों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

वह अचानक अकड़ गया। सामने वाले बिस्तर पर लेटे आदमी ने अपनी पतलून के पाँव ऊपर खींच लिए थे, और उसके पैरों में नीले मोज़े थे जिन पर दोनों किनारों पर हल्की लाल धारियाँ बनी हुई थीं!

यह सोचकर हैरानी होती है कि वह उस आदमी के ठीक सामने बैठा था जो चोर हो सकता था—और वह उसका चेहरा भी नहीं देख पा रहा था ताकि जान सके कि वह कौन है! आखिर कौन हो सकता है?

एक व्यक्ति ने कहा, "मैं आज रात यहां से निकल रहा हूं।"
“मैं इस शो से तंग आ चुका हूँ। हर समय बस शिकायतें और झगड़े ही होते हैं। और मुझे डर है कि उस आखिरी काम के सिलसिले में पुलिस कभी न कभी आ ही जाएगी।”
“तुम हमेशा डरे रहते हो,” मोजे पहने हुए आदमी ने कहा। “जब मोती लाना सुरक्षित हो, तो मुझे बता देना। ज़रूरत पड़ने पर इन्हें महीनों तक रखा जा सकता है।”
“क्या सच में वे ठीक रहेंगे?” दूसरे आदमी ने पूछा। मोज़े पहने हुए आदमी ने हंसते हुए एक अजीब सी बात कही।
उन्होंने कहा, "शेर यह सुनिश्चित करेंगे।"
पीटर और कॉलिन डरे और असमंजस में सुनते रहे। यह स्पष्ट था कि चोर वहीं था—मोजे पहने हुए वह आदमी, जिसका चेहरा वे देख नहीं पा रहे थे—और यह भी बिल्कुल स्पष्ट था कि उसने मोतियों को फिलहाल छिपा दिया था—और पहला आदमी डर गया था और जा रहा था।
"आप कह सकते हैं कि मैं आज रात रिंग में दोबारा उतरने के लिए बहुत बीमार महसूस कर रहा हूं," पहले व्यक्ति ने कुछ देर रुकने के बाद कहा।
"मुझे लगता है कि अब मुझे जाना चाहिए, जब सब लोग रिंग में हैं। घोड़ा ले आओ, ठीक है?"
मोजे पहने हुए आदमी ने अपने मोजे खोल दिए।
उसके टखने मुड़े और वह सीढ़ियों से नीचे उतर गया। पीटर और कॉलिन चाहते थे कि दूसरा आदमी भी चला जाए। शायद तब वे बच निकल सकें। लेकिन वह नहीं गया। वह वहीं बैठा रहा और उंगलियों से कुछ थपथपाता रहा। साफ दिख रहा था कि वह घबराया हुआ और डरा हुआ था।
बाहर से घोड़े को शाफ्ट के बीच में रखने की आवाज़ आई। तभी मोज़े पहने हुए आदमी ने सीढ़ियों से ऊपर आवाज़ लगाई।
सब तैयार है! आइए, गाड़ी चलाइए। फिर मिलते हैं।
वह आदमी उठा और कारवां से बाहर चला गया। लड़कों को बहुत हैरानी हुई जब उसने दरवाजा बंद कर दिया! फिर वह चुपचाप वैन के आगे वाले हिस्से में गया और ड्राइविंग सीट पर चढ़ गया। उसने घोड़े को एक बटन दबाया और घोड़ा धीरे-धीरे खेत की ओर चल पड़ा।
“अरे वाह!” कॉलिन ने फुसफुसाते हुए कहा। “यह तो बहुत बुरा है! उसने दरवाजा बंद कर दिया! हम कैदी बन गए हैं!”
“हाँ। कितनी बुरी किस्मत है,” पीटर अपनी बेहद असुविधाजनक छिपने की जगह से रेंगते हुए बाहर निकला। “और क्या तुमने ध्यान दिया, कॉलिन, कि उनमें से एक आदमी ने वो मोज़े पहने हुए थे! वही चोर है। और वही है जिसे हम पीछे छोड़ आए हैं, बदकिस्मती से।”
“हमने बहुत कुछ सीखा है,” कॉलिन ने भी रेंगते हुए बाहर निकलते हुए कहा। “हमें पता है कि मोती सर्कस में कहीं हैं। शेरों के बारे में उसका क्या मतलब था?”
“भगवान ही जाने,” पीटर ने कहा। “जब तक कि उसने उन्हें शेरों के पिंजरे में न डाल दिया हो और कहीं छिपा न दिया हो। मुझे लगता है कि किसी तख्ते के नीचे छिपाया होगा।”
“हमें किसी न किसी तरह भागना ही होगा,” कॉलिन ने हताशा से कहा। “क्या हम खिड़की से

बाहर निकल सकते हैं, आपको क्या लगता है?"
लड़के सामने वाली खिड़की से सावधानीपूर्वक बाहर झाँक रहे थे, यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि वे कहाँ हैं।
थे। उसी क्षण काफिला एक चमकदार स्ट्रीट लैंप के पास रुका और पीटर ने कॉलिन को जोर से धक्का दिया।
"देखो!" उसने फुसफुसाते हुए कहा, "कारवां चला रहे उस आदमी ने वही ट्वीड कोट पहना हुआ है जो पेड़ पर मिली पुरानी टोपी से मेल खाता है। ज़रूर वही आदमी होगा जिसे हमने शेरों के पिंजरे के बाहर रंग लगाते देखा था!"
"हाँ। और शायद चोर ने उसकी टोपी पहनने के लिए उधार ली होगी, क्योंकि वे एक ही कारवां में रहते हैं," कॉलिन ने कहा। "इससे पहेली का एक टुकड़ा तो तस्वीर में फिट बैठता है।"
उन्होंने खिड़कियाँ खोलकर देखीं। वे कसकर बंद थीं। कॉलिन ने खिड़की खोलने की कोशिश में शोर मचाया और ड्राइवर ने तेज़ी से वैन के अंदर देखा। सड़क के लैंप की रोशनी में उसने शायद किसी लड़के का चेहरा देख लिया होगा, क्योंकि उसने तुरंत घोड़े को रोका, नीचे कूदा और वैन के पीछे की ओर भागा।
"अब तो हमारी खैर नहीं!" पीटर ने हताशा में कहा। "उसने हमारी आवाज़ सुन ली है। जल्दी से छिप जाओ, कॉलिन! वह दरवाज़ा खोल रहा है!"
अध्याय सत्रह।
सर्कस के मैदान में वापस।
चाबी ताले में घूमी और कारवां का दरवाजा खुल गया। एक शक्तिशाली टॉर्च जलाई गई और उसकी रोशनी कारवां के अंदर चारों ओर फैल गई।
लड़के चारपाइयों के नीचे छिपे हुए थे और दिखाई नहीं दे रहे थे। लेकिन उस आदमी को इतना यकीन था कि वैन के अंदर कोई है कि उसने उस चारपाई के किनारे लटके हुए पर्दे को हटाया जहाँ पीटर छिपा हुआ था। देखते ही देखते उसने लड़के को देख लिया।
वह गुस्से से चिल्लाया और बेचारे पीटर को घसीटकर बाहर ले आया। उसने उसे इतनी जोर से हिलाया कि लड़का चीख पड़ा। तभी कोलिन तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़ा!
"अरे—तो आप दो लोग हैं!" उस आदमी ने कहा। "आप यहाँ क्या कर रहे हैं? आप इस वैन में कब से हैं?"
"ज्यादा देर नहीं हुई," पीटर ने कहा। "हम गलती से अंदर आ गए। हम दूसरी वैन में चढ़ना चाहते थे—लेकिन अंधेरे में हम रास्ता भटक गए।"
"ये तो बहुत ही घटिया कहानी है!" उस आदमी ने गुस्से से कहा। "अब मैं तुम सबको खूब मारूंगा—इससे तुम्हें सबक मिलेगा कि दूसरों के काफिले में घुसने की हिम्मत कैसे होती है।"
उसने अपनी टॉर्च एक शेल्फ पर रख दी, जिससे उसकी रोशनी पूरे कारवां में फैल गई। उसने अपने कोट की आस्तीनें ऊपर कीं और उसका चेहरा वाकई बेहद डरावना लग रहा था।
कॉलिन ने अचानक टॉर्च को लात मारी। वह हवा में उछली और धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ी। बल्ब टूट गया और रोशनी बुझ गई। काफिला अंधेरे में डूब गया।

“जल्दी करो, पीटर, उसके पैरों पर झपट्टा मारो!” कॉलिन चिल्लाया और उस आदमी के पैरों की ओर झपटा। लेकिन अंधेरे में उसका निशाना चूक गया, वह दरवाजे से बाहर निकल गया और सीढ़ियों से लुढ़कते हुए नीचे सड़क पर धड़ाम से गिरा।

पीटर के सिर के एक तरफ ज़ोरदार थप्पड़ पड़ा और वह अंधेरे में बचता हुआ भागा। उसने भी उस आदमी के पैर पकड़ने के लिए छलांग लगाई और एक पैर पकड़ लिया। आदमी ने फिर से वार किया और लड़खड़ाकर गिर पड़ा। पीटर छटपटाते हुए सीढ़ियों से आधा नीचे गिरा और झाड़ियों में लुढ़क गया।

उसी क्षण घोड़ा डर गया

और गाड़ी सरपट दौड़ पड़ी, उसके पीछे कारवां बेहद खतरनाक तरीके से इधर-उधर हिल रहा था। अंदर बैठा आदमी ज़रूर बहुत हैरान हुआ होगा!

“कॉलिन! तुम कहाँ हो?” पीटर चिल्लाया। “जल्दी आओ। घोड़ा कारवां और उसमें बैठे आदमी को लेकर भाग गया है। यही हमारा मौका है!”

कॉलिन भी झाड़ियों में छिपा हुआ था। वह पीटर के साथ शामिल होने के लिए बाहर निकला, और दोनों पूरी तेज़ी से, हांफते हुए, जितनी तेज़ी से हो सके सड़क पर दौड़ पड़े।

“इस पूरे सफर में सब कुछ गड़बड़ हो रहा है,” कॉलिन ने आखिरकार अपनी गति धीमी करते हुए कहा। “हम जब चाहें तब सही काफिले में भी नहीं चढ़ पाते—हमें हमेशा गलत काफिला ही चुनना पड़ता है।”

“खैर, हमने काफी कुछ सीखा,” पीटर ने कहा। “और अब हमें पता है कि चोर ने वही मोज़े पहने हुए हैं, भले ही हम अभी तक यह नहीं जानते कि वह कौन है। मज़े की बात यह है कि मुझे उसकी आवाज़ जानी-पहचानी सी लग रही है।”

“क्या तुम्हें ज़रा भी अंदाज़ा है कि हम कहाँ हैं?” कॉलिन ने पूछा। “मेरा मतलब है—क्या हम घर की ओर भाग रहे हैं, या उससे दूर? क्योंकि यह एक बेहद जोखिम भरा साहसिक कार्य है, इसलिए मैं कुछ नहीं कहूँगा।”

अगर हम पूरी रफ्तार से गलत दिशा में भाग रहे हों तो आश्चर्यचकित मत होना!

“खैर, हम नहीं हैं,” पीटर ने कहा। “मुझे पता है हम कहाँ हैं। दरअसल, हम जल्द ही सर्कस के मैदान में वापस पहुँच जाएँगे। मेरा कहना है—क्या हमें फिर से मैदान में घुसकर उस आदमी को ढूँढ़ लेना चाहिए जिसने मोज़े पहने हैं? मुझे ऐसा लग रहा है कि मुझे पता लगाना ही होगा कि वह कौन है!”

कॉलिन जाना नहीं चाहता था। एक रात के लिए उसे काफी रोमांच मिल चुका था। लेकिन उसने कहा कि अगर पीटर को दोबारा खेत में जाने की बहुत इच्छा हुई तो वह गेट के बाहर उसका इंतजार करेगा।

पीटर बाड़ फांदकर उस जगह की ओर बढ़ा जहाँ उसे बहुत सारी रोशनी दिखाई दे रही थी। शो खत्म हो चुका था और लोग घर जा चुके थे। लेकिन सर्कस के लोग अब अपना खाना खा रहे थे और लालटेन और आग की रोशनी बहुत तेज और खुशनुमा लग रही थी।

पीटर ने कुछ बच्चों को एक साथ खेलते देखा। उनमें से एक बच्ची बहुत लंबी लग रही थी—और

पीटर ने देखा कि वह स्टिल्ट पर चल रही थी, ठीक वैसे ही जैसे सर्कस में स्टिल्ट पर चलने वाले लोग चलते हैं। यह वही बदतमीज़ छोटी लड़की थी जिसने उससे कहा था कि सर्कस में कोई एक पैर वाला आदमी नहीं होता। वह चलकर उसके पास आ गई जहाँ वह खड़ा था।

एक कारवां दिखाई दिया, लेकिन उसने उसे नहीं देखा। वह स्टिल्ट्स पर अपना संतुलन बनाए रखने में मग्न थी।

वह आई और चली गई—और पीटर ज़मीन पर दिख रही किसी चीज़ को घूरता रहा। जहाँ बच्ची चली थी, वहाँ उसके डंडों के निशान ज़मीन पर अजीब से गड्ढे बना रहे थे—नियमित, गोल निशान —बिल्कुल मिल्टन मनोर की दीवार के पास बने निशानों जैसे! वे निशान नम ज़मीन पर साफ़ दिखाई दे रहे थे, पास में जल रही लालटेन की टिमटिमाती रोशनी में!

"देखो तो ज़रा!" पीटर ने मन ही मन कहा। "हम अंधे थे! ये निशान किसी एक पैर वाले आदमी ने नहीं बनाए थे—ये तो किसी स्टिल्ट-वॉकर ने बनाए थे! हमने पहले इस बारे में क्यों नहीं सोचा?"

अध्याय अठारह।

पीटर अपनी कहानी सुनाता है।

पीटर ने नीचे उन अजीबोगरीब गोल निशानों को देखा। उसने उस बच्ची की ओर देखा जो डंडियों पर चल रही थी—हाँ, वह जहाँ भी जाती, उसकी डंडियाँ ज़मीन पर ऐसे ही गोल निशान छोड़ जाती थीं। अब पहेली का एक और टुकड़ा अपनी जगह पर आ गया था।

"चोर एक स्टिल्ट-वॉकर था," पीटर ने मन ही मन कहा। "दीवार फांदने में मदद के लिए वह अपने स्टिल्ट साथ ले गया था। मुझे कॉलिन को ढूंढकर उसे बताना ही होगा!"

वह दौड़कर उस जगह पहुंचा जहां कॉलिन उसका इंतजार कर रहा था। "कॉलिन, मैंने एक रोमांचक खोज की है!" उसने कहा। "मुझे पता है कि वे अजीबोगरीब गोल निशान किस वजह से बनते हैं—और उनका एक पैर वाले आदमी से कोई लेना-देना नहीं है!"

"तो फिर उन्हें क्या बनाता है?" कॉलिन ने आश्चर्य से पूछा।

"ऊँची लकड़ियाँ!" पीटर ने कहा। "ऊँची लकड़ियों के सिरे!

चोर ऊँची लकड़ियों पर चढ़ा हुआ था—ताकि वह आसानी से उस ऊँची दीवार को पार कर सके। कितना चालाकी भरा विचार था!

"लेकिन उसने ये कैसे किया?" कॉलिन ने हैरानी से कहा। "चलो, घर चलते हैं, पीटर। बहुत देर हो गई है, नहीं तो बहुत झगड़ा हो जाएगा। मैं बहुत थका हुआ भी हूँ।"

"मैं भी यही सोच रहा हूँ," पीटर ने कहा। "खैर, अब हम इस रोमांचक शाम के बारे में और बात नहीं करेंगे—हम इस पर विचार करेंगे और कल सुबह बैठक करेंगे। मैं सबसे पहले जेनेट को बाकी लोगों को बुलाने भेजूँगा। असल में, मुझे अभी तक समझ नहीं आया है कि चोर ने स्टिल्ट की मदद से दीवार कैसे फांदी।"

कॉलिन ने गहरी जम्हाई ली। उसे लगा कि वह कुछ भी सोचने की कोशिश नहीं कर सकता। कारवां से गिरने के कारण उसे चोटें आई थीं, उसका सिर बुरी तरह टकराया था, और वह काफी बेहोश सा महसूस कर रहा था। वह बस बिस्तर पर जाकर सोना चाहता था!

जब पीटर घर पहुँचा तो जेनेट गहरी नींद में सो रही थी, इसलिए उसने उसे नहीं जगाया। वह बिस्तर पर लेट गया, यह सोचकर कि वह सब कुछ ध्यान से सोचेगा—लेकिन वह सोच नहीं पाया, क्योंकि उसे तुरंत ही गहरी नींद आ गई!

सुबह उसने जेनेट को रात के कारनामों के बारे में एक शब्द भी नहीं बताया। उसने बस उसे बाकी लोगों को मीटिंग में बुलाने के लिए भेज दिया। वे सब आए, यह सोचकर कि आखिर हुआ क्या था। एक-एक करके उन्होंने पासवर्ड फुसफुसाया—'एडवेंचर!'—और दरवाजे से अंदर चले गए। कॉलिन सबसे आखिर में आया। उसने कहा कि वह देर तक सो गया था!

“कल रात क्या हुआ? क्या तुम्हें मोती मिले? क्या तुम चोर को जानते हो?” पाम ने उत्सुकता से पूछा।

“हमें मोती तो नहीं मिले—लेकिन बाकी सब कुछ तो हमें पता है!” पीटर ने विजयी भाव से कहा।

"क्या हमें?" कॉलिन ने हैरानी से कहा। "हो सकता है, पीटर—लेकिन मुझे नहीं। मुझे अभी भी नींद आ रही है!"

“पीटर, हमें बताओ,” जॉर्ज ने कहा। “हमें इंतज़ार मत करवाओ। हमें सब कुछ बताओ!”

"लिटिल थिकेट तक आओ और मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि चोर उस दीवार को कैसे पार कर गया," पीटर ने अचानक यह सोचते हुए कहा कि पहेली के सभी टुकड़ों को एक साथ जोड़ने का यह एक बहुत ही दिलचस्प तरीका होगा।

"ओह—अब तो बता ही दो!" जेनेट ने घोर निराशा व्यक्त करते हुए विलाप किया।

“नहीं। लिटिल थिकेट की ओर आ जाओ,” उसने कहा।

पीटर। तो वे सब एक साथ लिटिल थिकेट गए और मिल्टन मैनर के बड़े फाटकों की ओर चले गए। माली जॉन्स फिर से वहीं था, ड्राइववे के सामने की क्यारियों में काम कर रहा था।

“जॉन्स! क्या हम फिर से अंदर आ सकते हैं?” पीटर चिल्लाया। “हम कोई नुकसान नहीं करेंगे।”

जॉन्स ने मुस्कुराते हुए द्वार खोले। बच्चों के अंदर घुसते ही उसने पूछा, "अभी तक कुछ पता चला?"

“हाँ, बहुत कुछ,” पीटर ने कहा और उस जगह की ओर आगे बढ़ा जहाँ चोर दीवार फांदकर अंदर आया था। “हमारे साथ आओ, मैं तुम्हें बताता हूँ कि हमने क्या खोजा है, जॉन्स!”

"ठीक है—लेकिन मैं पहले इस कार को गेट से अंदर आने दूंगा," जॉन्स ने कहा, तभी बाहर खड़ी एक बड़ी काली कार ने हॉर्न बजाया।

बच्चे जल्द ही उस जगह पर पहुँच गए जहाँ वे पहले थे। पीटर ने कहा, “अब देखो, ये हुआ था। चोर एक स्टिल्ट-वॉकर था, इसलिए उसे बस इतना करना था कि वह इस दीवार के बाहर आए, अपने स्टिल्ट पर खड़ा हो जाए—दीवार तक चले, ऊपर झुक जाए, अपने पैर स्टिल्ट से हटाए और दीवार पर बैठ जाए। फिर वह अपने स्टिल्ट को दीवार के ऊपर खींच लेता है और इस नरम ज़मीन पर उनका इस्तेमाल करता है। बगीचे के सख्त रास्तों पर वे निशान नहीं छोड़ते, और दुश्मन सुरक्षित रूप से ज़मीन पर आकर अपने स्टिल्ट को सीमा की बाड़ के सहारे छिपा लेता है।”

“आगे बढ़ो!” जेनेट ने उत्साह से कहा।

“वह घर में घुसता है, मोती लेता है और दीवार के पास वापस आ जाता है,” पीटर ने कहा। “वह

फिर से अपनी लकड़ियों पर चढ़ता है और चल पड़ता है...”
दीवार—और वह ज़मीन पर इस तरह के अजीबोगरीब गोल खंभों के निशान छोड़ जाता है, बिल्कुल!"
“हे भगवान—वे तो सच में ऐसे ही थे!” पाम ने कहा।
“हाँ। और जैसे ही वह दीवार पर चढ़ा, उसकी टोपी एक ऊँची पेड़ की शाखा में फंस गई और झटके से उतर गई,” पीटर ने कहा। “उसने उसे वहीं छोड़ दिया क्योंकि वह उसे वापस पाने में समय बर्बाद नहीं करना चाहता था। उसका एक मोजा ईंट के उस छोटे से नुकीले टुकड़े में फंस गया और ऊन का एक टुकड़ा वहीं छूट गया... फिर वह दीवार के ऊपर पहुँच गया, और दूसरी तरफ कूद गया!”
“मैंने उसे ऐसा करते सुना था!” कॉलिन ने कहा। “लेकिन, पीटर—जब मैंने उसे देखा था तब उसके पास स्टिल्ट नहीं थे। उसने अपने स्टिल्ट का क्या किया?”
अध्याय उन्नीस।
मोती कहाँ हैं?
“तुम जानना चाहते हो कि मोती चुराने के बाद दीवार पर चढ़ने के लिए उसने जिन डंडों का इस्तेमाल किया था, उनका उसने क्या किया?” पीटर ने कहा। “खैर—मुझे ठीक से नहीं पता—लेकिन अगर मेरा सारा अनुमान सही है, तो उसने उन्हें कहीं घनी झाड़ी में फेंक दिया होगा, ताकि उन्हें छिपा सके!”
“जी हां—बिल्कुल,” पाम ने कहा। “लेकिन कौन सी झाड़ी?”
वे सब आस-पास की झाड़ियों और पेड़ों की ओर देखने लगे। "एक हॉली की झाड़ी!" कॉलिन ने दीवार के ऊपर इशारा करते हुए कहा। "यह हमेशा इतनी हरी-भरी और घनी रहती है, और लोग हॉली से छेड़छाड़ नहीं करते क्योंकि इसमें बहुत कांटे होते हैं!"
“हाँ—यह तो सबसे अच्छा रहेगा,” पीटर ने कहा। “चलो, सब लोग,” वह बाकी सबको हवेली के मैदान से बाहर ले गया और पूरी तेज़ी से दीवार के दूसरी तरफ चला गया।
उन्हें जल्द ही पता चल रहा था कि यह कितना बड़ा मामला है।
घने हॉली के पेड़ की शाखाओं को मोड़ना एक मुश्किल और चुभने वाला काम हो सकता था। लेकिन उन्हें कितना बड़ा इनाम मिला! वहाँ, बिल्कुल घने हिस्से में, दो लंबे डंडे लगे हुए थे! कॉलिन ने एक डंडा निकाला और पीटर ने दूसरा।
“पीटर, तुम सही थे!” जेनेट ने कहा। “तुम तो बड़े होशियार हो! हमने अब सब कुछ आसानी से समझा दिया है—ऊँची डाल पर टंगी पुरानी टोपी—ऊन का टुकड़ा—अजीबोगरीब गोल निशान—चोर ने उस दीवार को कैसे चढ़ा जिस पर चढ़ना नामुमकिन था। सच में, मुझे लगता है कि सीक्रेट सेवन बहुत ही चालाक थे!”
“और मैं भी!” एक और आवाज़ आई। वे सब मुड़े और वहाँ, चेहरा लाल और साँस फूलता हुआ, उनका दोस्त पुलिस इंस्पेक्टर खड़ा था, और माली जॉन्स अभी भी उससे लगभग दस गज दूर था।
“हैलो!” पीटर ने हैरानी से कहा। “मैं कहता हूँ—क्या तुमने वह आवाज़ सुनी?”

“जी हां,” इंस्पेक्टर ने मुस्कुराते हुए लेकिन हांफते हुए कहा। “जॉन ने मेरी कार के लिए गेट खोला और मुझसे कहा कि उसे लगता है कि आपने रहस्य सुलझा लिया है। जब आप गेट से इस तरह भागे, तो हम समझ गए थे कि आप किसी चीज़ का पता लगाने के लिए उत्सुक हैं। खैर, क्या है?”

आपका स्पष्टीकरण? इस बार तो आपने पुलिस को भी मात दे दी!

पीटर हँसा। “अच्छा, देखो—हम सर्कस में बिना किसी को शक हुए जासूसी कर सकते हैं—लेकिन अगर तुम सर्कस के मैदान में जासूसी करने के लिए सात पुलिसवालों को भेज दो, तो तुम पर ज़रूर किसी न किसी बात का शक हो जाएगा!”

“निस्संदेह हमें ऐसा करना चाहिए,” इंस्पेक्टर ने सहमति जताई। उसने लकड़ियों को उठाया और उनकी जांच की। “इतनी ऊंची दीवार पर चढ़ने का यह बहुत ही अनोखा तरीका है। मुझे लगता है कि आप मुझे यह भी नहीं बता सकते कि चोर कौन है, है ना?”

“अच्छा—यह तो एक स्टिल्ट-वॉकर है,” पीटर ने कहा। “और मुझे लगता है कि उसका नाम लुई है। अगर आप सर्कस जाएँगे तो शायद आपको वह नीले मोज़े पहने हुए मिलेगा, जिनके दोनों किनारों पर एक छोटा सा लाल धागा लगा होगा।”

“और उसके काले बाल होंगे और सिर के ऊपरी हिस्से में एक छोटा सा गोल गंजापन होगा,” कॉलिन ने कहा। “कम से कम—मैंने जिस चोर को देखा था, उसके सिर पर तो ऐसा ही गंजापन था।”

“वाह, आपको कितना कुछ पता है!” इंस्पेक्टर ने प्रशंसा करते हुए कहा; “अगली बार तो आप मुझे उसके पायजामे का रंग भी बता देंगे! क्या आप अभी उसके साथ उसे ढूंढने चलेंगे? मेरे पास एक

कुछ लोग कार में बाहर हैं। हम सब जा सकते हैं।

“ओह,” पाम ने कल्पना करते हुए कहा कि सीक्रेट सेवन तीन बड़े पुलिसकर्मियों के साथ सर्कस के मैदान में आ गए हैं। “मुझे लगता है—क्या सर्कस वाले हमें देखकर डर नहीं जाएंगे?”

“केवल वही लोग डरें जिन्हें डरने का कारण हो,” इंस्पेक्टर ने कहा। “चलिए। मैं देखना चाहता हूँ कि आपके इस चोर के सिर पर बाल न हों। अब, मुझे आश्चर्य है कि आपको यह कैसे पता चला? वाकई अद्भुत!”

आखिरकार वे सभी सर्कस के मैदान में पहुँच गए। पुलिस सबसे पहले वहाँ पहुँची, क्योंकि वे अपनी कार से आए थे, लेकिन उन्होंने बच्चों के आने का इंतज़ार किया। फिर वे सभी गेट से अंदर चले गए, जिससे वहाँ मौजूद सर्कस के लोग बहुत आश्चर्यचकित हुए।

“वो रहा लुई,” पीटर ने शेरों के पिंजरे के पास उदास से दिख रहे उस नौजवान की ओर इशारा करते हुए कहा। “अरे बाप रे—उसने फिर से मोज़े नहीं पहने हैं!”

"तो हम उसके सिर के ऊपरी हिस्से को देखेंगे," कॉलिन ने कहा।

जैसे ही वे पास आए, लुई खड़ा हो गया। उसकी निगाहें लंबे इंस्पेक्टर पर बेचैनी से टिकी हुई थीं। निरीक्षक ने पूछा, "क्या तुमने मोज़े पहने हैं?"

लुई को बहुत आश्चर्य हुआ। "अपनी पैंट ऊपर खींचो।"

लेकिन, जैसा कि पीटर पहले ही देख चुका था, लुई के पैर नंगे थे। "उसे झुकने के लिए कहो," कॉलिन ने कहा, जिससे लुई और भी हैरान हो गया।

इंस्पेक्टर ने कहा, "झुक जाओ," और लुई ने आज्ञाकारी होकर खुद को इस तरह झुका लिया मानो वह सभी को प्रणाम कर रहा हो।

कॉलिन चिल्लाया, "हाँ—यह वही है! उसके सिर के ऊपरी हिस्से पर वह गोल गंजापन देखो? बिलकुल वैसा ही जैसा मैंने पेड़ पर चढ़ते समय देखा था!"

"अहा—अच्छा," इंस्पेक्टर ने कहा। वह फिर लुई की ओर मुड़ा। "और अब, नौजवान, मुझे तुमसे एक और बात कहनी है। मोती कहाँ हैं?"

अध्याय बीस।

रोमांच का अंत।

लुई ने उन सबको गुस्से से देखा। "तुम पागल हो!" उसने कहा। "मुझसे पैंट के पाँव ऊपर खींचने और झुकने को कह रहे हो—और अब मोतियों की बात करने लगे हो। कौन से मोती? मुझे मोतियों के बारे में कुछ नहीं पता—कभी नहीं पता था।"

"ओह जी हाँ, तुम जानते हो," इंस्पेक्टर ने कहा। "हम तुम्हारे बारे में सब जानते हैं, लुई। तुमने अपनी लकड़ियों का इस्तेमाल करके उस ऊँची दीवार को पार किया था—है ना?—वही दीवार जो मिल्टन मैनर के चारों ओर है। और तुमने मोती लिए, और वापस दीवार पर आ गए। फिर से अपनी लकड़ियों पर चढ़ गए, और वहाँ तुम आराम से ऊपर थे, दूसरी तरफ कूदने के लिए तैयार।"

"पता नहीं तुम किस बारे में बात कर रहे हो," लुई ने रूठे स्वर में बुदबुदाया, लेकिन उसका चेहरा एकदम पीला पड़ गया था।

मैं आपकी याददाश्त को थोड़ा और ताज़ा कर देता हूँ।

"तो," इंस्पेक्टर ने कहा। "तुमने अपने पीछे स्टिल्ट के निशान छोड़े हैं—और एक ऊँची डाल पर यह टोपी—और तुम्हारे एक मोज़े से ऊन का यह टुकड़ा। तुमने अपने स्टिल्ट भी एक होली की झाड़ी के बीच में छोड़ दिए हैं। अब, तुमने ये सब यूँ ही तो नहीं किया। वे मोती कहाँ हैं?"

"खुद ही ढूंढ लो," लुई ने कहा। "हो सकता है मेरा भाई उनके साथ काफिले में चला गया हो। वैसे भी, वह चला गया है।"

"लेकिन उसने मोती यहीं छोड़े थे—उसने ऐसा कहा था," पीटर ने अचानक कहा। "जब तुम दोनों बात कर रहे थे, तब मैं कारवां में था!"

लुई ने पीटर को हैरानी और गुस्से भरी नजरों से देखा। उसने कुछ नहीं कहा।

"और आपने कहा था कि शेरों के पास मोती सुरक्षित रहेंगे!" पीटर ने कहा। "है ना?"

लुई ने कोई जवाब नहीं दिया। "अच्छा, अच्छा!" निरीक्षक ने कहा, "हम शेरों से ही कुछ पूछताछ करेंगे!"

तो सभी बच्चों, दो पुलिसकर्मियों, लगभग तीस उत्सुक सर्कस कर्मियों और उस छोटे भालू के साथ, जो किसी तरह आज़ाद हो गया था और खुशी से इधर-उधर घूम रहा था, इंस्पेक्टर आगे बढ़ा।

वह बड़े शेरों के पिंजरे की ओर गया। उसने शेर के रखवाले को बुलाया।
वह आश्चर्यचकित और कुछ हद तक घबराया हुआ आया।
निरीक्षक ने पूछा, "आपका नाम क्या है?" उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, "रिकार्डो।" "क्यों?" "श्रीमान रिकार्डो, हमारे पास यह मानने का कारण है कि आपके शेरों ने मोतियों का हार अपने पिंजरे में या अपने शरीर के आसपास कहीं छिपा रखा है।"
रिकार्डो की आंखें फटी रह गईं। वह इंस्पेक्टर को ऐसे घूर रहा था मानो उसे अपने कानों पर विश्वास ही न हो रहा हो।
निरीक्षक ने कहा, "पिंजरा खोलो और अंदर जाकर तलाशी लो। ढीले तख्तों या ऐसी किसी भी जगह की तलाशी लो जहां मोती छिपे हो सकते हैं।"
रिकार्डो ने पिंजरा खोला, वह अभी भी इतना अचंभित था कि कुछ बोल नहीं पा रहा था। शेर उसे अंदर आते देख रहे थे, और उनमें से एक अचानक बिल्ली की तरह गुर्राने लगा, लेकिन बहुत ज़ोर से।
रिकार्डो ने तख्तों को टटोला। कोई भी तख्ता ढीला नहीं था। वह अचंभित होकर देखने वालों की ओर मुड़ा। उसने कहा, "महोदय, आप देख सकते हैं कि इस पिंजरे में शेरों के अलावा कुछ भी नहीं है - और वे मोती नहीं छिपा सकते, यहाँ तक कि अपनी गर्दन के बालों में भी नहीं - वे उन्हें खरोंच कर निकाल लेंगे।"
पीटर लुई के चेहरे को देख रहा था। लुई बड़ी बेचैनी से पानी के कुंड को घूर रहा था। पीटर ने इंस्पेक्टर को कोहनी मारी।
“उसे पानी के कुंड की जांच करने के लिए कहो!” उसने कहा।
रिकार्डो उसके पास गया। उसने उसे उठाया और सारा पानी बाहर निकाल दिया। "इसे उल्टा कर दो," इंस्पेक्टर ने आवाज़ दी। रिकार्डो ने वैसा ही किया—और फिर वह हैरानी से चिल्ला उठा।
“इसमें एक नकली तल जोड़ा गया है!” वह चिल्लाया। “देखिए महोदय—यह यहाँ नहीं होना चाहिए!”
उसने सबको पानी के कुंड का निचला हिस्सा दिखाया। वाकई, किसी ने उसमें एक अतिरिक्त टुकड़ा जोड़ दिया था, जिससे एक बड़ा ही चालाकी भरा नकली तल बन गया था। रिकार्डो ने अपनी बेल्ट से एक औजार निकाला और उस अतिरिक्त तल को हटा दिया।
पिंजरे के फर्श पर कुछ गिर गया। "मोती!" सभी बच्चे एक साथ चिल्लाए, और शोर सुनकर शेर घबराकर ऊपर देखने लगे। रिकार्डो ने पिंजरे की सलाखों के बीच से मोती अंदर डाल दिए, और फिर अपने शेरों को शांत करने के लिए मुड़ गया। छोटा भालू, जो अब जेनेट के पास था, शोर सुनकर डर से गुर्रा उठा।
शेर गुर्रा रहे थे। जेनेट ने उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी।
“बहुत संतोषजनक,” इंस्पेक्टर ने शानदार हार को अपनी जेब में रखते हुए कहा। बच्चों ने हल्की सी आवाज़ सुनी और मुड़कर देखा तो दो पुलिसकर्मी लुई को सख्ती से घसीटते हुए ले जा रहे थे। वह एक कपड़े सुखाने वाली रस्सी के पास से गुजरा—और वहाँ फिर से वही नीले मोज़े हवा में लहरा रहे थे, जिनसे उसकी पहचान उजागर हुई थी!

“चलो,” इंस्पेक्टर ने अपने सामने खड़े सात बच्चों को इशारा करते हुए कहा। “हम सब लेडी लूसी थॉमस से मिलने चलेंगे—और तुम उन्हें अपने नवीनतम कारनामे की कहानी शुरू से अंत तक सुनाओगे। वो तुम्हें इनाम देना चाहेंगी—इसलिए मुझे उम्मीद है कि तुम्हारे पास कुछ अच्छे विचार होंगे! जेनेट, तुम क्या चाहती हो?”

“मुझे लगता है,” जेनेट ने अपने बगल में चल रहे छोटे भालू की ओर देखते हुए कहा, “मुझे लगता है कि वह मुझे एक छोटा भालू नहीं देगी, है ना? ऐसा ही, लेकिन थोड़ा छोटा ताकि मैं उसे उठा सकूँ? मुझे पता है कि पाम को भी एक चाहिए होगा।”

इंस्पेक्टर जोर से हँस पड़ा। "अच्छा, सीक्रेट सेवन, भालू या कुछ भी मांग लो जो तुम चाहो।"

अगर आप चाहें तो पूरा सर्कस भी। आप इसके हकदार हैं। मुझे सच में नहीं पता कि एस.एस.एस. की मदद के बिना मैं क्या करूँगी! आप भविष्य में मेरी मदद ज़रूर करेंगे, है ना?

“बिल्कुल!” सातों ने एक साथ कहा। और आप यकीन मानिए, वे ऐसा ही करेंगे!

***** *****

sjeet